RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक:28 ता. 24 जुलाई 2024, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

सुनीता विलियम्स के साथ स्पेस स्टेशन में मौजूद है सुपरबग

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ये किसी साइंस-फिक्शन जैसा लग सकता है, लेकिन उतना ही सच है। नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स जिस अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (नासा) में पिछले डेढ़ महीने से ज्यादा समय से फंसी हुई हैं, वहां एक एक बहुत खतरा मौजूद है। ये खतरा एक सुपरबग है, जिसके बारे में कुछ समय पहले ही वैज्ञानिकों ने पता लगाया है। आईआईटी मद्रास और नासा की जेट प्रपल्शन प्रयोगशाला के वैज्ञानिकों ने अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन में एक ऐसे बैक्टीरिया स्ट्रेन का पता लगाया है, जो कई बार म्यूटेशन करके बहुत शक्तिशाली बन चुका है। इसके चलते इसे स्पेसबग भी कहा जा रहा है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में एनकाउंटर, 1 जवान घायल

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में बट्टाल सेक्टर में मंगलवार (23 जुलाई) सुबह करीब 3 बजे आर्मी-आतंकियों के बीच गोलीबारी हुई। इसमें सेना का एक जवान घायल हो गया। सेना की ओर बताया गया कि कुछ आतंकी घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे, जिसे नाकाम कर दिया गया। बीएसएफ के

सूत्रों के मुताबिक, पुंछ के कृष्ण घाटी बेल्ट से कुछ आतंकी बट्टाल में घुसने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन सेना के जवानों को आतंकियों के मूवमेंट की सूचना मिल गई थी। सेना ने तुरंत एक्शन लेते हुए उन्हें रोका। हालांकि, आतंकियों के घायल होने या मारे जाने की सूचना अभी नहीं मिली है। गोलीबारी में घायल हुए जवान को अस्पताल पहुंचाया गया है। पूरे इलाके की घेराबंदी कर ली गई है। आतंकियों को ढूंढने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। जम्मू में यह 24 घंटे में दूसरा हमला है।

चुनिंदा मामलों में ही जमानत पर रोक लगे : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि कोर्ट के पास बेल ऑर्डर पर स्टे लगाने का अधिकार होता है, लेकिन यह स्टे सिर्फ असामान्य मामलों और असाधारण परिस्थितियों में ही लगाना चाहिए। जस्टिस अभय सिंह ओका और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की बेंच ने यह टिप्पणी मनी

लॉन्ड्रिंग के आरोपी परविंदर सिंह खुराना की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। दरअसल, खुराना को ईडी ने 2023 में गिरफ्तार किया था। ट्रायल कोर्ट से जून 2023 में बेल मिल गई थी, जिसके खिलाफ ईडी ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के बेल ऑर्डर पर स्टे लगा दिया था। इसके बाद दिल्ली हाईकोर्ट के खिलाफ खुराना ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई, जिस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उनकी स्वतंत्रता को लेकर चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि एक साल तक एक शख्स बिना किसी कारण के सड़ रहा है।

गरीबों, किसानों और महिलाओं के लिए खुला खजाना

मोदी सरकार का 'मंगलमय' बजट

- 3 लाख तक की इनकम टैक्स फ्री, एजुकेशन लोन 10 लाख रुपए कर दिया
- भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए 9 प्राथमिकताओं पर जोर
- नौकरी और कौशल विकास पर 2 लाख करोड़ रुपए तक खर्च करने का ऐलान
- महिलाओं-लड़कियों को फायदा पहुंचाने वाली योजनाओं पर 3 लाख करोड़ होंगे खर्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। नरेंद्र मोदी सरकार ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए कमर कस ली है। मंगलवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जब बजट भाषण पढ़ा तो यही बात नजर आई। निर्मला सीतारमण ने सातवीं बार बजट पेश किया है। यह मोदी सरकार का यह 13वां बजट है, जिसमें निर्मला ने कहा कि यह बजट गरीब, महिला, युवा और अन्नदाताओं पर फोकस है। भारत की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में अपना विश्वास तीसरी बार जताया है। वहीं, मुश्किल दौर में भी भारत की अर्थव्यवस्था तेज गति से चल रही है। निर्मला के इस बजट में आम आदमी को थोड़ी सी राहत देते हुए नए टैक्स रिजीम में बदलाव किया गया है, जिसके तहत 3 लाख तक की इनकम अब टैक्स फ्री होगी। वहीं, पुरानी टैक्स रिजीम में 2.5 लाख रुपए तक की इनकम पर टैक्स से छूट पहले की ही तरह जारी रहेगी। यानी सरकार धीरे-धीरे नई टैक्स रिजीम की ओर बढ़ रही है। वित्त मंत्री ने बजट में युवा, किसान, महिला और गरीब सबको फोकस किया है।

मोबाइल फोन सस्ते होंगे

सोना-चांदी पर भी ड्यूटी घटाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब बजट में गिनी-चुनी चीजें ही सस्ती या महंगी होती हैं। सरकार ने 1 जुलाई 2017 को देशभर में जीएसटी लागू किया था, जिसके बाद से बजट में केवल कस्टम और एक्साइज ड्यूटी बढ़ाई-घटाई जाती है। ड्यूटी के बढ़ने और घटने का का इनडायरेक्ट असर चीजों की कीमतों पर पड़ता है। तो इस बार सरकार ने मोटे तौर पर 7 चीजों पर कस्टम ड्यूटी घटा दी है और 2 की ड्यूटी बढ़ा दी है।

बीते एक साल में सोना-चांदी 13,000 रुपए महंगे हुए है।

युवाओं को इंटर्नशिप के लिए 5 हजार महीना मिलेगा

मोदी सरकार की 5वीं नई योजना के तहत 500 बड़ी कंपनियों में इंटर्नशिप को बढ़ावा दिया जाएगा। सरकार की इंटर्नशिप योजना से 1 करोड़ युवाओं को फायदा होगा। पीएम मोदी का यह युवाओं के लिए स्पेशल इंटर्नशिप पैकेज है। इसके तहत युवाओं को 500 टॉप कंपनियों में इंटर्नशिप करने की मौका मिलेगा। साथ ही हर महीने 5 हजार रुपये का इंटर्नशिप भत्ता भी दिया जाएगा।

एजुकेशन लोन 10 लाख तक, ब्याज पर भी छूट

वित्त मंत्री ने घरेलू संस्थानों में हायर एजुकेशन के लिए लोन 10 लाख तक किए जाने भी ऐलान किया। घरेलू संस्थानों में हायर एजुकेशन के लिए 10 लाख रुपए तक के ऋण के लिए ई-वाउचर हर साल 1 लाख छात्रों को सीधे ऋण राशि के 3 फीसदी की वार्षिक ब्याज छूट के लिए दिए जाएंगे।

बनेंगे तीन नए एक्सप्रेस-वे

युवाओं के लिए 5 नई स्कीम

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में बिहार में 3 एक्सप्रेसवे, भागलपुर के पीरपैंती में पावर प्लांट के साथ ही पूर्वी राज्यों के डेवलपमेंट के लिए पूर्वोदय स्कीम का ऐलान किया है। वहीं जॉब-रिकल डेवलपमेंट के लिए 5 नई योजनाओं की घोषणा की।

पटना-पूर्णिया एक्सप्रेस वे, बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेस वे, बोधगया-राजगीर-वैशाली-दरभंगा एक्सप्रेस वे और बक्सर में गंगा नदी पर दो लेन का पुल बनाया जाएगा। बिहार में इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 26 हजार करोड़ रुपए खर्च करने का ऐलान है। अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक कॉरीडोर के तहत गया में औद्योगिक केंद्र बनाया जाएगा। पीरपैंती में 21,400 करोड़ की लागत से 2400 मेगावॉट की क्षमता का पावर प्लांट बनेगा।

नीतिश को 59 हजार करोड़, नायडू को 15 हजार करोड़ की सौगात

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को लगातार सातवीं बार बजट पेश करने का रिकॉर्ड बनाया। 1 घंटे 23 मिनट के भाषण में उनका फोकस शिक्षा, रोजगार, किसान, महिला और युवाओं पर रहा। इसके अलावा नीतिश कुमार के बिहार और

चंद्रबाबू नायडू के आंध्र प्रदेश पर केंद्र सरकार मेहरबान रही। मोदी सरकार 3.0 बिहार के सीएम नीतिश कुमार की जेडीयू और आंध्र के सीएम चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी के भरोसे चल रही है। वित्त मंत्री ने बिहार में इंफ्रा और अन्य प्रोजेक्ट्स के लिए 58 हजार 900 करोड़ और आंध्र की नई राजधानी अमरावती के विकास के लिए 15 हजार करोड़ दिए हैं।

यह बजट देश को समृद्धि देने वाला मिडिल क्लास को नई शक्ति देगा

- पीएम मोदी ने रखी अपनी बात, विपक्ष बोला-ये नीतिश और चंद्रबाबू से डरा हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट पेश किया। ये उनका लगातार सातवां बजट था। बजट के साथ ही देश भर में इसे लेकर रिएक्शन भी आने लगे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह बजट समृद्धि की राह पर ले जाने वाला बजट है। बजट को गृहमंत्री शाह ने मोदी सरकार में आशावाद की नई भावना कहा है, तो वहीं अखिलेश यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री देने वाले राज्य यूपी को कुछ नहीं मिला है। उधर, विपक्ष और इंडिया ब्लॉक से जुड़े नेताओं ने इसे प्रधानमंत्री सरकार बचाओ योजना का नाम दिया है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि यह नीतिश कुमार और चंद्रबाबू नायडू से डरा हुआ बजट है।

क्या हुआ सस्ता, क्या महंगा

ये होंगी सस्ती	इनके बढ़ेंगे दाम
चमड़े के जूते	सिगरेट
कपड़े	हवाई जहाज से यात्रा
सोना-चांदी	प्लास्टिक का सामान
मोबाइल फोन	पेट्रोकेमिकल
मोबाइल चार्जर	इलेक्ट्रिक्ल हीकल
कैंसर दवा	प्लेटिनम
बिजली के तार	एक्सरे मशीन
सोलर सेट्स	

पिनाका, ब्रह्मोस...

भारतीय हथियारों की दीवानी हुई दुनिया

विश्व के टॉप निर्यातकों में हुआ शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनियाभर में तनावपूर्ण माहौल के बीच भारत के हथियारों का निर्यात लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा इकनॉमिक सर्वे से खुलासा हुआ है कि दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक देश अब हथियारों के निर्यात में भी शानदार प्रदर्शन कर रहा है। भारत ने करीब 85 देशों को ब्रह्मोस मिसाइल से लेकर पिनाका रॉकेट और तोपें निर्यात की हैं। भारत बड़े पैमाने पर तोप के गोलों का भी निर्यात कर रहा है। भारत से हथियार खरीदने वाले देशों में आर्मेनिया और फिलीपीन्स जैसे देश शामिल हैं जो बड़े खतरे का सामना कर रहे हैं। इसके अलावा इटली, मालदीव, रूस, श्रीलंका, यूएई, फिलीपीन्स, सऊदी अरब, पोलैंड, मिस्र, इजरायल, स्पेन चिली भी शामिल हैं। भारत के इकनॉमिक सर्वे 2024 के मुताबिक भारत का हथियार उत्पादन साल 2017 के वित्तीय वर्ष में 74,054 करोड़ था जो साल 2023 में बढ़कर अब 1,08,684 करोड़ पहुंच गया है। इससे हथियारों का निर्यात काफी बढ़ गया है। साल 2015 से 2019 के बीच में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक देश था लेकिन अब वह टॉप 25 हथियार निर्यातक देशों में शामिल हो गया है। सबसे बड़े हथियार निर्यात में अहम भूमिका निभाई है।

प.बंगाल के साउथ 24 परगना में मिली गुप्त सुरंग

गवर्नर बोले-बांग्लादेश बॉर्डर के पास टनल मिलना नेशनल सिक्योरिटी के लिए बड़ा खतरा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना जिले के एक घर में पुलिस को एक सुरंग मिली थी। यह सुरंग बांग्लादेश की बॉर्डर के करीब है। इसे लेकर गवर्नर आनंद बोस ने ममता सरकार की नीतियों को लेकर सवाल उठाए हैं। गवर्नर ने कहा है कि बॉर्डर के पास के घर में सुरंग निकलना देश के लिए खतरा है। ममता बनर्जी सरकार को मजबूत और निष्पक्ष कानून व्यवस्था बनाने की जरूरत है। दरअसल, 15 जुलाई को पुलिस ने सद्दाम नाम के शख्स के घर पर छापा मारा था। सद्दाम नकली सोने के मूर्ति का डीलर है। उसके घर पर मिली 40 मीटर लंबी सुरंग नहर की ओर निकलती है। इस नहर से नाव के सहारे मतला नदी तक पहुंचा जा सकता है, जहां से बांग्लादेश सीमा को पार किया जा सकता है। पुलिस का मानना है कि सद्दाम ने सुरंग का इस्तेमाल छापेमारी के दौरान भागने के लिए भी किया था।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी नेमप्लेट हटाने से डर रहे कारोबारी

मुजफ्फरनगर । उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार ने कांवड़ यात्रा रूट पर होटल से लेकर ठेले वालों के लिए नेमप्लेट लगाने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने फैसले पर रोक लगा दी है। हालांकि सुप्रीम आदेश के बावजूद अभी दुकानदार नेमप्लेट हटाने से डर रहे हैं। इसके लिए अभी भी प्रशासन की हरी झंडी का इंतजार हो रहा है। मुजफ्फरनगर के दुकानदार ने बताया कि वे अभी नेमप्लेट हटाने के लिए स्थानीय प्राधिकरण की तरफ से निर्देश का इंतजार कर रहे हैं। वहीं एक अन्य दुकानदार ने कहा कि दस दिन पहले तक हर रोज का खर्च 15 हजार रुपये था। लेकिन पिछले 24 घंटे में केवल 4 हजार की कमाई हुई है। हालांकि चाय और खाने में पूरी सतर्कता बरतते हैं, लेकिन लोग नाम पढ़कर ही आगे बढ़ जाते हैं। इन लोगों का कहना है कि ये बोर्ड परमानेंट के लिए हटने चाहिए। इससे दुकानदारी घट गई थी। सुप्रीम कोर्ट का बहुत ही ऐतिहासिक फैसला है। हमें बहुत खुशी महसूस हो रही है। हां जी हमने बोर्ड हटा दिए हैं, देखिए यह भेदभाव था यह बोर्ड परमानेंट हटने चाहिए। इससे कारोबार पर बहुत गलत असर पड़ रहा था, जिससे दुकानदारी घट गई थी।

चेन्नई एयरपोर्ट पर .... जब मधुमक्खियों ने फ्लाइट को घेरा

रायपुर । चेन्नई एयरपोर्ट पर एक अजीबोगरीब घटना हुई, यहां रायपुर जा रही एक फ्लाइट पर मधुमक्खियों ने धावा बोल दिया। हजारों मधुमक्खियों ने प्लेन को घेर लिया, इससे उड़ान में दो घंटे की देरी हुई। फ्लाइट में छत्तीसगढ़ भाजपा नेता मितुल कोठारी सहित 150 यात्री सवार थे। मधुमक्खियों की संख्या इतनी थी कि यात्री डर से फ्लाइट में सवार होने के लिए बस से उतर नहीं सके। घटना तब हुई जब यात्रियों को बस से प्लेन तक ले जाया जा रहा था। तभी अचानक, बड़ी संख्या में मधुमक्खियां दिखाई दीं और उन्होंने पूरे प्लेन को घेर लिया। ग्राउंड स्टाफ ने खुद को प्लास्टिक के कवर से ढककर मधुमक्खियों को भगाने की कोशिश की, लेकिन मधुमक्खियां प्लेन के इंजन के पास जमा होने लगीं। इसके बाद ग्राउंड स्टाफ को केमिकल स्प्रे का इस्तेमाल करना पड़ा। धीरे-धीरे मधुमक्खियों की संख्या कम हुई और यात्रियों को सुरक्षित रूप से प्लेन में चढ़ाया गया। फिर भी, यह सुनिश्चित करने के लिए कि इंजन में कोई मधुमक्खी न फंसी हो, फ्लाइट इंजीनियर्स ने प्लेन की पूरी जांच की। इसके बाद ही प्लेन को उड़ान भरने की अनुमति मिली। इस घटना के बारे में भाजपा नेता कोठारी ने कहा कि जब हम बोर्डिंग के लिए बस में सवार हुए, तभी हमें बड़ी संख्या में मधुमक्खियां दिखाई दीं। उन्होंने कहा कि ग्राउंड स्टाफ ने प्लास्टिक के कवर से खुद को ढक लिया और मधुमक्खियों को भगाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि मधुमक्खियां प्लेन के इंजन के पास जमा हो गई थीं, जिसके बाद स्टाफ ने केमिकल स्प्रे का इस्तेमाल करके उन्हें हटाया।

बीआरएस नेता कविता 26 जुलाई को कोर्ट में होंगी पेश, राउज़ एवेन्यू ने लिया संज्ञान

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने उत्पाद शुल्क घोटाले से जुड़े मामले में बीआरएस नेता के. कविता के खिलाफ आरोप पत्र पर संज्ञान लिया है। कोर्ट ने कविता को 26 जुलाई को अदालत में पेश होने का आदेश दिया है। बता दें सीबीआई ने इस साल जून में आरोप पत्र दाखिल किया था और दावा किया था कि मामले में उसके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सारे सबूत मौजूद हैं। सीबीआई ने दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में रिपोर्ट दाखिल की थी। कोर्ट ने सीबीआई मामले में आरोपी कविता और आप नेता मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 26 जुलाई तक बढ़ा दी है। इससे पहले, ईडी ने भी बीआरएस नेता कविता के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। ईडी ने दावा किया था कि कविता ने तथाकथित साउथ ग्रुप के सदस्यों और आप नेताओं के साथ मिलकर 100 करोड़ रुपए की रिश्वत देने और इससे जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अनुचित लाभ लेने की साजिश रची थी। दिल्ली की शराब नीति को अब खत्म कर दिया गया है। जांच एजेंसी ने दावा किया कि कविता ने साजिश और इंडो स्पिरिट्स के गठन के जरिए 292.8 करोड़ रुपए की अपराध आय के सृजन, अधिग्रहण और उपयोग में भाग लिया, जो साजिश और रिश्वत के भुगतान के परिणामस्वरूप प्राप्त हुई थी। बता दें कि के. कविता को लेकर ईडी का दावा था कि आप नेताओं के लिए विजय नायर और दूसरे लोगों को साउथ ग्रुप ने 100 करोड़ की रिश्वत दी थी। कविता, इस साउथ ग्रुप का हिस्सा थीं. इस ग्रुप में दक्षिण के राजनेता, नौकरशाह और कारोबारी हैं। ईडी के मुताबिक के कविता ने 19-20 मार्च 2021 को आरोपी विजय नायर से मुलाकात की थी। कविता को ईडी ने इस साल 15 मार्च को हैदराबाद से गिरफ्तार किया था।

भारी बारिश... एन-1 बी डेम क्षतिग्रस्त

दंतेवाड़ा । छत्तीसगढ़ में इन दिनों मौसम मेहरबान राज्य के कई जिलों में जोरदार बारिश हो रही है। बस्तर इलाके में भीषण बारिश से आसपास के जिलों में बाढ़ के हालात बने हैं। दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल पहाड़ी में एनएमडीसी द्वारा निर्मित एन-1 बी डेम क्षतिग्रस्त हुआ है। जिला प्रशासन ने बताया कि अत्याधिक बारिश के कारण डेम क्षतिग्रस्त हुआ है। इसकारण अनेक घर बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। वहीं कुछ घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इसके अलावा किरंदुल के गाटर पुलिया एवं सीएससी सेंटर के पास भी बारिश से जल जमाव हो गया है। इसके साथ ही जिला प्रशासन मौके पर तैनात होकर रेस्क्यू कर रहा है तथा प्रभावित परिवारों को मंगल भवन में ठहराया जा रहा है। वर्तमान में उनकी स्थिति सामान्य है। जिला प्रशासन द्वारा लगातार भारी बारिश के कारण बाढ़ग्रस्त क्षेत्र के समीप रहने वाले लोगों को अन्य जगह शिफ्ट होने की हिदायत दी जा रही है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। नया मानसूनी सिस्टम पूरे प्रदेश में सक्रिय है जिस कारण से तेज बारिश हो रही है। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून से अब तक राज्य में 355.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी के घर तक लेटकर क्यों पहुंचा सरपंच

महासमुंद (ईएमएस) । छत्तीसगढ़ के एक सरपंच ने दिल्ली में अनोखा प्रदर्शन किया है। केन्द्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के पास मांग लेकर एक सरपंच सड़क पर लेटते हुए उनके आवास तक पहुंचा। सरपंच की मांग है कि उसके गांव में सड़क नहीं है। इसलिए वे गांव में सड़क निर्माण के लिए केन्द्रीय मंत्री के पास पहुंचा है। दरअसल, छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में ग्राम पंचायत बंबूरडीह के सरपंच शत्रुघ्न चेलक हैं। सरपंच अपने गांव में सड़क निर्माण के लिए लंबे समय से प्रयास कर रहे हैं, लेकिन सड़क नहीं बन रही है। बताया जाता है कि गांव के लोगों ने चंदा करके सरपंच को पांच हजार रुपये दिए। सरपंच इन पैसों से दिल्ली पहुंचा और सड़क की मांग को लेकर अनोखा प्रदर्शन किया। हालांकि सरपंच से गडकरी की मुलाकात नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, गड़करी उस समय अपने आवास पर नहीं थे। सरपंच चेलक ने बताया कि वह दो किमी की सड़क बनवाने के लिए नेता और अधिकारियों की चक्कर लगाते-लगाते थक चुके हैं। कहीं से भी उन्हें सड़क बनाने का भरोसा नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह सड़क रामाडबरी से बावनकेरा गांव तक बननी है। अभी कच्ची सड़क है। बारिश के सीजन में सड़क पर चलना मुश्किल होता है। सरपंच ने बताया कि गांव में सड़क नहीं होने से लोग गांव में शादी करने नहीं आते हैं। लड़के-लड़कियों की शादी सड़क के कारण नहीं हो पाती है। ग्रामीण भी लगातार इस सड़क के लिए मंत्री और नेताओं से मिलते हैं लेकिन अभी तक सड़क बनाने को लेकर कोई फैसला नहीं हुआ। सरपंच ने बताया कि इससे बड़ी हैरानी की बात यह है कि हमारे गांव का नाम राजस्व विभाग के रिकॉर्ड में ही नहीं है।

नौसेना प्रमुख ने दी रक्षा मंत्री को युद्धपोत में हुए नुकसान की जानकारी

नई दिल्ली। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को नौसेना के युद्धपोत आईएनएस ब्रह्मपुत्र में आग लगने से हुए नुकसान की जानकारी दी है। आईएनएस ब्रह्मपुत्र में सोमवार को आग लग गई थी। इस हादसे में युद्धपोत को काफी नुकसान हुआ है। नौसेना के मुताबिक बाद में यह युद्धपोत एक तरफ झुक गया और कोशिशों के बावजूद इसे सीधा नहीं किया जा सका। एडमिरल त्रिपाठी ने रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को सोमवार शाम को ही इस हादसे के बारे में विस्तार से जानकारी दी थी। नौसेना प्रमुख स्थिति का जायजा लेने के लिए मंगलवार को मुंबई पहुंचे।

बिना मुस्लिमों के नहीं हो सकती अमरनाथ-वैष्णो देवी यात्रा, कांवड़ यात्रा वाले फरमान पर उमर अब्दुल्ला का आया ये बयान

श्रीनगर (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश सरकार के विवादास्पद कांवर यात्रा आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की अंतरिम रोक का स्वागत करते हुए, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को जानना चाहा कि क्या अमरनाथ और वैष्णो देवी तीर्थयात्रा भी मुसलमानों के बिना संभव होगी। अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा कि अगर (कांवड़ यात्रा) आदेश का मकसद मुसलमानों को दूर रखना है, तो भगवान के लिए, मुझे बताएं, जब (अमरनाथ) यात्रा यहां (जम्मू-कश्मीर) होती है...तो यह मुसलमानों के बिना संभव नहीं है। अपनी बात को विस्तार से बताते हुए उन्होंने माता वैष्णो देवी मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं का उदाहरण भी दिया।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष ने कहा कि अमरनाथ यात्री मुसलमानों के कंधों पर यात्रा करते हैं। जो लोग माता वैष्णो देवी के तीर्थयात्रियों को घोड़ों या पिठुओं (कुली) पर ले जाते हैं...वे किस धर्म के हैं? वहां, भाजपा धर्म नहीं देखती है। अब्दुल्ला की टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट द्वारा 26 जुलाई तक भाजपा के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार के व्यापक आलोचना वाले आदेश और उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में जारी किए गए इसी तरह के निर्देशों पर रोक लगाने के एक दिन बाद आई है। पार्टी उत्तराखंड और मध्य प्रदेश दोनों पर शासन करती है। इसके निर्देश की भाजपा सहयोगियों ने भी आलोचना की, उत्तर प्रदेश ने वार्षिक कंवर तीर्थयात्रा के मार्गों पर भोजनालयों और खाद्य स्टालों को उनके मालिकों के नाम प्रदर्शित करने का आदेश दिया; विपक्ष ने आरोप लगाया कि भगवा पार्टी मुस्लिम समुदाय का 'आर्थिक बहिष्कार' करने की कोशिश कर रही है।

सावन के पहले सोमवार को ही सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा फैसला सुनाया जिसने लाखों कांवड़ियों को हैरान कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने योगी सरकार के एक बड़े फैसले पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने 22 जुलाई को उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों द्वारा पारित निर्देशों पर अंतरिम रोक लगा दी, जिसमें कहा गया था कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर भोजनालयों को मालिकों के नाम प्रदर्शित करने होंगे। योगी का ये फैसला इसलिए आया था क्योंकि कई दुकान, ढाबे और होटल मिले जिनके नाम तो हिंदू थे लेकिन मालिक मुसलमान। ऐसे में सीएम योगी ने आदेश दिया कि सही नाम के साथ ही दुकान चलानी होगी। इस सख्ती के बाद कई दुकानों ने अपने असली नाम लगाए। योगी के इस फैसले से मुस्लिम नाराज हो गए, बुद्धिजीवि बौखला गए। योगी के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की जिसमें कांवरिया मार्ग पर भोजनालयों को मालिकों के नाम प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर अंतरिम आदेश जारी करते हुए कहा कि दुकानदारों सिर्फ खाने का प्रकार बताने की जरूरत है।

कफ सिरप को लेकर शक निकला सही....क्वालिटी टेस्ट में फेल

नई दिल्ली। कफ सिरप को लेकर भारत की फार्मा कंपनियों पर दुनिया के कई देशों में सवाल उठने के बाद सरकारी रिपोर्ट में कहा गया है कि करीब 100 कफ सिरप क्वालिटी टेस्ट में फेल हो गई हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि गांबिया, उज्बेकिस्तान और कैमरून में बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदार खांसी की सिरप में जो टॉक्सिन मौजूद थी वहीं टॉक्सिन इन सिरप में भी पाया गया है। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक डाइएथिलीन ग्लाइकोल और एथिलीन ग्राइकोल पाए जाने की वजह से 100 कंपनियों के कफ सिरप को नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी की श्रेणी में रखा गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय को सौंपी गई रिपोर्ट में कहा गया है कि डीईजी/ईजी, माइक्रोबायोलॉजिकल ग्रोथ, पीएच वॉल्यूम के आधार पर कफ सिरप को एनएसक्यू की श्रेणी में रखा गया है। 7087 बैच दवाओं की जांच की गई जिसमें से 353 को एनएसक्यू की श्रेणी में रखा गया। वहीं 9 सैंपल में डीईजी और ईजी की मात्रा थी। गुणवत्ता ठीक ना होने की वजह में डीईजी और ईजी की उपस्थिति के अलावा असुरक्षित सप्लाई चेन और प्रोपिलीन ग्लाइकोल बल्क टेस्टिंग में फेल होने को बताया गया है। कई देशों में बच्चों की मौत के बाद भारत में बनने वाली कफ सिरप पर सवाल खड़े किए गए हैं। इसके बाद सरकारी और प्राइवेट लैब्स में इनकी जांच की जा रही है। डीजीसीआई ने राज्यों के ड्रग कंट्रोलर्स से कहा है कि एक्सपोर्ट के लिए बनाई जा रही कफ सीरप की गंभीरता से जांच की जाए। इसके आलावा डायरेक्टर जनरल ऑफ फॉरेड ट्रेड ने भी कफ सिरप के निर्यातकों को निर्देश दिया कि दवा विदेश भेजने से पहले सरकारी लैब में टेस्ट कराए।

राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश (स्वतंत्र प्रभार)डा. दयाशंकर मिश्र "दयालु" ने आयुर्वेद, होम्योपैथ, यूनानी, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रयागराज।

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग उ0प्र0 डा0 दयाशंकर मिश्र 'दयालू' ने मंगलवार को सर्किट हाउस के सभागार में आयुर्वेद, होम्योपैथ, यूनानी, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है उन्होंने आयुर्वेद विभाग की समीक्षा करते हुए अस्पतालों में जमीन, दवा की उपलब्धता, ओपीडी, हर्बल गार्डेन, प्रस्तावित 50 बेड के हॉस्पिटल की प्रगति के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि जो हॉस्पिटल किराये के भवन में संचालित हो रहे है, उनके लिए जमीन की उपलब्धता जल्द से जल्द करायी जाये और दवाओं की उपलब्धता बनाये रखने का विशेष ध्यान दें उन्होंने कहा कि जहां पर ओपीडी अधिक है, वहां पर कम ओपीडी वाले स्थानों से दवाओं की पूर्ति कर बैलेंस बनाये रखने के साथ ही साथ यदि किसी क्षेत्र विशेष में किसी दवा की विशेष आवश्यकता हो, तो उस दवा की उपलब्धता वहां पर अवश्य बनाये रखी जाये उन्होंने कहा कि जिन अस्पतालों में अपनी विभागीय जमीन उपलब्ध है, वहां पर हर्बल गार्डेन बनाये और उनमें हर्बल पौधे ही लगाये जाये उन्होंने वृहद वृक्षारोपण अभियान में लगाये गये पौधों की देखभाल सुनिश्चित करने के लिए कहा है

मंत्री ने होम्योपैथ विभाग की समीक्षा करते हुए अस्पतालों हेतु सरकारी जमीन उपलब्ध कराये जाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने, हाईकोर्ट के होम्योपैथी अस्पताल में ज्यादा ओपीडी के दृष्टिगत दवाओं की डिमांड भेजे जाने एवं महाकुम्भ मेले के दृष्टिगत अस्थायी कैम्प हेतु अभी से तैयारी शुरू कर चिकित्सक, सहायक स्टॉफ व अन्य आवश्यकताओं की मांग किए जाने के लिए कहा है उन्होंने युनानी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ0 वसीम अहमद से कालेज में निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति एवं ओपीडी के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए वहां पर लग रहे मैटेरियल की अपने स्तर से जांच कराते हुए गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है मंत्री ने बताया कि सरकार के द्वारा प्रदेश के सभी 19 नए मेडिकल कालेजों में स्मार्ट क्लास, मेस, हॉस्टल व फर्नीचर की व्यवस्था करने एवं संविदा के बजाय स्थायी कार्मिक नियुक्त किए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जा रही है उन्होंने आयुष विभाग के अधिकारियों को नकली दवाओं के बिक्री की सम्भावित दुकानों से दवाओं का सैम्पल एकत्र कर आवश्यक कार्यवाही करने के लिए कहा है

मंत्री ने खाद्य सुरक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए कितने सैम्पल लिए गए है, उसमें से कितने गुणवत्ता के मानक के अनुरूप मिले, कितने अधो मानक और कितने अनसेफ मिले, की जानकारी लेते हुए सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि उन्हीं स्थानों से सैम्पल कलेक्ट करें, जहां मिलावट की सम्भावना ज्यादा है।

लोकसभा स्पीकर की बेटी अंजलि पहुंची हाईकोर्ट

-झूठे आरोपों के खिलाफ मानहानि का मुकदमा किया दायर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईआरपीएस अधिकारी अंजलि बिरला ने झूठे आरोपों को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में मानहानि का मुकदमा दायर किया है। अंजलि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की बेटी हैं। वह सोशल मीडिया पोस्टों को हटाने की मांग कर रही हैं जिनमें उन पर झूठा आरोप लगाया गया है कि उन्होंने (अंजलि) अपने पिता के प्रभाव के कारण अपने पहले प्रयास में ही यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। अपने मानहानि मुकदमे में, अंजलि बिरला ने कहा है कि कई सोशल मीडिया पोस्ट उनके बारे में भ्रामक और झूठी जानकारी फैला रहे हैं, जिनके बारे में उनका दावा है कि ये प्रकृति में मानहानिकारक हैं।

अंजलि ने अपनी याचिका में कहा है कि फैलाए जा रहे झूठे और निराधार आरोप वादी की प्रतिष्ठा को गैरकानूनी रूप से नुकसान पहुंचाने और मानहानिकारक आख्यानों के जरिए से खड़े होने के स्पष्ट इरादों का संकेत देते हैं। अकेले इस दावे के आधार पर, वादी का मानना है कि वर्तमान मुकदमा अपनी योग्यता के आधार पर सफल होना चाहिए। इसके बाद जस्टिस नवीन चावला की बेंच इस मामले की सुनवाई के लिए राजी हो गई। अंजलि की ओर से वरिष्ठ वकील राजीव नायर ने मामले को सूचीबद्ध करने का उल्लेख किया।

सूत्रों के मुताबिक मुकदमे में कहा गया है कि कई व्यक्ति बिना किसी सच्चाई या सबूत के वादी की पेशेवर प्रतिष्ठा को पूरी तरह से नष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं। वर्तमान सरकार के खिलाफ विवाद पैदा करने के उद्देश्य से, विशेष रूप से वादी को ही निशाना बना रहे हैं। यह मुकदमा प्रतिवादियों को वादी और उसके परिवार के सदस्यों, जिसमें उनके पिता ओम बिरला, जो लोकसभा के स्पीकर हैं की भी प्रतिष्ठा को धूमिल करने से रोकने के लिए लाया जा रहा है।

महाराष्ट्र में अजित गुट के लगाए पोस्टर से मुख्यमंत्री गायब, एनडीए गठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं?

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में एनडीए गठबंधन में सब कुछ सही नहीं चल रहा है। पिछले कुछ दिनों के घटनाक्रम से तनाव के संकेत मिल रहे हैं। लोकसभा चुनाव में मिली हार का ठीकरा एक-दूसरे पर फोड़ा गया। इसके बाद अब विधानसभा सीटों के लिए रस्साकशी शुरु हो गई है। अब अजित पवार की एनसीपी की ओर से लड़की-बहिन योजना के पोस्टर लगाए गए हैं। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने पिछले महीने विधानसभा में अपने बजट भाषण में 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन' योजना की घोषणा की थी। अजित एकनाथ शिंदे सरकार में वित्त मंत्री भी हैं। ये पोस्टर सोमवार को अजित पवार के जन्मदिन के अवसर पर अहमदनगर जिले के पारनेर, अहमदनगर, श्रीगोंडा और कर्जत-जामखेड विधानसभा क्षेत्रों के उनके दौरे के पहले लगाए गए थे।

यहां आयोजित कार्यक्रमों में अजित पवार ने महिलाओं को संबोधित कर योजना का उल्लेख 'माझी लाडकी बहिन' के रूप में किया, जबकि 'मुख्यमंत्री' शब्द का कोई उल्लेख नहीं किया। इस योजना के तहत उन परिवारों की महिलाओं को हर महीने 1500 रुपए दिए जाएंगे, जिनके परिवार की सालाना आय 2.5 लाख से कम है। डिप्टी सीएम पवार ने बीते महीने बजट के दौरान इस योजना का ऐलान किया था। अजित इस बीच अहमदनगर, श्रीगोंजा, करजात-जमखेद क्षेत्रों में गए ताकि विधानसभा चुनाव से पहले कुछ बढ़त बनाई जा सके। उन्होंने कई विधानसभा क्षेत्रों का दौरा किया और इसी दौरान ये पोस्टर सामने आए। उनके इन दौरों के समय ही पिंक कलर में पोस्टर लगाए गए थे। इनमें अजित पवार की तस्वीरें तो थीं, लेकिन सीएम का जिक्र तक नहीं था।

बजट कागजों पर अच्छा, किसानों को कोई फायदा नहीं: टिकैत

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को बजट में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए और नौ प्राथमिकताओं की रूपरेखा तैयार की जिसमें उत्पादकता बढ़ाना शामिल है। अपने बजट प्रेजेंटेशन के दौरान उन्होंने कहा कि अगले दो साल में एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती में मदद की जाएगी।

मोदी सरकार बजट किसान नेता राकेश टिकैत को पसंद नहीं आया है। राकेश टिकैत ने कहा कि केंद्र को कागजों पर यह बजट अच्छा लग सकता है लेकिन जमीन पर इससे किसानों को कोई फायदा नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा कि इससे उन कंपनियों को फायदा होगा जो किसानों को जैविक खेती सिखाएंगी। उन्होंने मांग की कि सरकार को फसलों की कीमत चुकानी चाहिए, मुफ्त बिजली, सस्ती खाद देनी चाहिए, खेती के उपकरणों पर जीएसटी कम करना चाहिए था।

बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि किसानों द्वारा खेती के लिए 32 क्षेत्रीय और बागवानी फसलों की नई 109 उच्च उपज वाली और जलवायु लचीली किस्में जारी की जाएंगी। अगले दो सालों में एक करोड़ किसानों को प्रमाणीकरण और ब्रांडिंग द्वारा समर्थित प्राकृतिक खेती में शामिल किया जाएगा। पांच राज्यों में जनसमर्थ आधारित किसान क्रेडिट कार्ड शुरू किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाना और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करना एक नीतिगत लक्ष्य होगा। सीतारमण ने कहा कि सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए सहकारी क्षेत्र के लिए एक राष्ट्रीय सहयोग नीति लाएगी। सरकार राज्यों के साथ साझेदारी में कृषि में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के कार्यान्वयन की सुविधा भी देगी। उन्होंने झींगा ब्रूडस्टॉक्स के लिए न्यूक्लियस प्रजनन केंद्रों का एक नेटवर्क स्थापित करने के लिए वित्तीय मदद देने की घोषणा की।

भारत में 2050 तक 34 करोड़ 60 लाख हो जाएगी बुजुर्गों की संख्या

-महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सेवा, आवास और पेंशन में अधिक निवेश की जरुरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूएनएफपीए-इंडिया की रेजिडेंट प्रतिनिधि एंड्रिया वोजनार ने विश्व जनसंख्या दिवस के कुछ दिनों बाद जनसंख्या के उन प्रमुख रुझानों को रेखांकित किया, जिन्हें भारत सतत विकास में तेजी लाने के लिए प्राथमिकता दे रहा है।

इनमें युवा आबादी, वृद्ध जनसंख्या, शहरीकरण, प्रवासन और जलवायु के अनुसार बदलाव करना शामिल हैं। ये कारक सभी देश के लिए अनूठी चुनौतियां और अवसर पेश करते हैं। वोजनार ने कहा कि 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के व्यक्तियों की संख्या 2050 तक दोगुनी होकर 34 करोड़ 60 लाख हो जाने का अनुमान है। देश में खासकर उन बुजुर्ग महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सेवा, आवास और पेंशन में अधिक निवेश किए जाने की जरूरत है, जिनके अकेले रह जाने और गरीबी का सामना करने की अधिक आशंका है। इसलिए स्वास्थ्य सेवा, आवास और पेंशन योजनाओं में निवेश बढ़ाने की सख्त जरूरत है। उन्होंने कहा कि खासकर वृद्ध महिलाओं के लिए ऐसा करना आवश्यक है, जिनके अकेले रहने और गरीबी का सामना करने की अधिक आशंका है।

यूएनएफपीए-इंडिया प्रमुख ने कहा कि भारत में युवा आबादी काफी है और 10 से 19 वर्ष की आयु के 25 करोड़ 20 लाख लोग हैं। उन्होंने जिक्र किया कि लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, नौकरी के लिए प्रशिक्षण और रोजगार सृजन में निवेश करने से इस जनसांख्यिकीय क्षमता को भुनाया जा सकता है और देश को सतत प्रगति की ओर अग्रसर किया जा सकता है। वोजनार ने कहा कि भारत में 2050 तक 50 प्रतिशत शहरी आबादी होने का अनुमान है, इसलिए झुग्गी बस्तियों की वृद्धि, वायु प्रदूषण और पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के लिए स्मार्ट शहरों, मजबूत बुनियादी ढांचे और किफायती आवास का निर्माण महत्वपूर्ण है।

उन्होंने आगे कहा कि शहरी योजनाओं में महिलाओं की सुरक्षा संबंधी जरूरतों, स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा एवं नौकरियों तक पहुंच को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए, ताकि लैंगिक समानता को बढ़ावा दिया जा सके और जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार हो सके। वोजनार ने यह भी कहा कि आंतरिक और बाहरी प्रवासन को प्रबंधित करने के लिए अच्छे से सोच-विचार कर योजना बनाने, कौशल विकास करने और आर्थिक अवसर वितरण की आवश्यकता होती है।

छात्र यहां बसने की उम्मीद लेकर ना आएं : कनाडा

ओटावा । कनाडा के इमिग्रेशन मिनस्टर ने भी एक बयान में कहा है कि स्टडी वीजा पर आने वाले छात्र यहां बसने की उम्मीद लेकर ना आएं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, साइमन फ्रेजर विश्वविद्यालय और विक्टोरिया विश्वविद्यालय जैसे प्रमुख संस्थानों का कहना है कि उनके अंतरराष्ट्रीय छात्र नामांकन स्तर पहले से ही 30 प्रतिशत की सीमा से नीचे हैं। ऐसे में नई गाइडलाइन से उन पर कोई सीधा प्रभाव नहीं पड़ेगा। हालांक क्वांटलेन पॉलिटेक्निक विश्वविद्यालय ने 2023-24 शैक्षणिक वर्ष के लिए अपने 36 प्रतिशत नामांकन के साथ नई सीमा को पार कर लिया है। इस महीने प्रभावी होने वाले दिशानिर्देशों में आगामी वर्ष से तय समय सीमा को फॉलो करना होगा। कनाडा सरकार वर्तमान में तेजी से जनसंख्या वृद्धि के बीच आप्रवासन को धीमा करने के प्रयास में विदेशी छात्रों के लिए दीर्घकालिक वीजा जारी करने की भी समीक्षा कर रही है। इमिग्रेशन मिनस्टर मार्क मिलर ने विदेशी छात्रों की संख्या को घरेलू बाजार की मांग के अनुपात में रखने पर जोर दिया है। कनाडा की नीति शिक्षित आप्रवासियों और छात्रों का स्वागत करने की रही है लेकिन हालिया समय में उसकी नीति में बदलाव आया है। मंत्री मिलर इस बात पर जोर दे रहे हैं कि स्टडी वीजा को कनाडा में बसने की गारंटी की तरह नहीं देखा जाना चाहिए। स्टडी वीजा पढ़ाई की इजाजत देता है और उसे उसी तरह से देखा जाना चाहिए। बता दें कि कनाडा में विदेशी छात्रों की संख्या को सीमित करने के लिए ब्रिटिश कोलंबिया (बीसी) प्रान्त की सरकार ने नए दिशा निर्देश जारी किए हैं। बीसी सरकार ने सार्वजनिक पोस्ट सेकेंडरी संस्थानों में अंतरराष्ट्रीय छात्र नामांकन को कुल छात्रों के 30 प्रतिशत तक सीमित कर दिया है। पोस्ट सेकेंडरी एजुकेशन एंड स्किल मिनिस्ट्री ने कहा है कि छात्रों के नामांकन की सीमा तय करने का मकसद संस्थानों पर दबाव कम करना है। गाइडलाइन में सार्वजनिक विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को अंतरराष्ट्रीय शिक्षा रणनीतिक योजना प्रस्तुत करनी होगी। कॉलेजों की निगरानी प्रांत के प्रशासन की ओर से की जाएगी।

15 राज्यों के गवर्नर हेरिस के समर्थन में, लोकप्रियता में ट्रंप पिछड़े

न्यूयॉर्क । वर्तमान राष्ट्रपति वाइडेन के चुनाव मैदान से हटने और कमला हैरिस का नाम राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में सामने आने के बाद, अमेरिका की राजनीति में जबरदस्त उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। कमला हैरिस का नाम सामने आते ही रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की लोकप्रियता में 10 फ़ीसदी की गिरावट देखी जा रही है। जिन राज्यों से ट्रंप को भारी समर्थन मिल रहा था। उन राज्यों में भी कमला हैरिस का नाम सामने आने के बाद ऑनलाइन सर्वे में ट्रंप की लोकप्रियता में गिरावट आई है। कमला हैरिस को 24 घंटे के अंदर 15 डेमोक्रेटिक गवर्नर तथा 55 सीनेटरों का समर्थन मिला है। राष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस का नाम सामने आते ही, अब डोनाल्ड ट्रंप को अपनी रणनीति को बदलना पड़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप को कमला हैरिस के पक्ष में जो सहानुभूति की लहर चल रही है। उसका मुकाबला करना पड़ेगा। कमला हैरिस अमेरिका के इतिहास में राष्ट्रपति पद के लिए पहली अश्वेत महिला हैं। अमेरिका की 25 फ़ीसदी आबादी अश्वेत मतदाताओं की है। कमला हैरिस गर्भपात के अधिकार की समर्थक रही हैं। कमला हेरिस अटॉर्नी रह चुकी हैं। वह ट्रंप के क्रिमिनल रिकॉर्ड को चुनावी प्रचार का हथकंडा बनाएंगी। ट्रंप के लिए कमला हेरिस को घेरना अब मुश्किल हो जाएगा।

10 घंटे में 435 करोड़ का चंदा - कमला हैरिस की उम्मीदवारी घोषित होते ही 10 घंटे के अंदर 435 करोड रुपए का चंदा इकट्ठा हुआ। 2020 के चुनाव में एक दिन के अंदर 295 करोड रुपए का रिकॉर्ड चंदा एकत्रित हुआ था। इस बार 10 घंटे में ही 435 करोड रुपए इकट्ठे हो गए।

अमेरिका के फ्लोरिडा का फोर्ड लाडरडेल अरबपतियों का नया पसंदीदा शहर

न्यूयॉर्क । अमेरिका के फ्लोरिडा का फोर्ट लाडरडेल शहर अरबपतियों का नया ठिकाना बन रहा है। फ्लोरिडा के इस शहर में बड़ी संख्या में अरबपति आकर बस रहे हैं। यहां की प्रॉपर्टी में याटपार्क करने की सुविधा है। जैफ बेजोस,कैन ग्रिफिन,लियोनेल मेसी जैसे दिग्गज यहां पर प्रॉपर्टी ले चुके हैं। अन्य अरबपति और ख़रबपति भी यहां प्रॉपर्टी में निवेश कर रहे हैं। पिछले डेढ़ साल में यहां संपत्तियों की कीमतें बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। डेढ़ साल पहले जो बंग्ला ढाई सौ करोड रुपए का था। अब वह 400 करोड रुपए में बिका है। कहा जा रहा है, अरबपतियों का यह नया गढ़ बन गया है। जिसके कारण आने वाले समय में यहां प्रॉपर्टी की कीमत और भी तेजी के साथ बढ़ेगी।

सऊदी सरकार का फैसला, अब स्थानीय लोगों को दी जाएगी नौकरी, भारतीयों पर मंडराने लगा खतरा

रियाद। सऊदी अरब की सरकार ने नौकरियों में स्थानीय लोगों को ज्यादा मौका देने का फैसला लिया है। सऊदी अरब ने निजी क्षेत्र में 25 फीसदी इंजीनियरिंग नौकरियां स्थानीय लोगों के लिए आरक्षित कर दी हैं। नौकरियों को लोकेलाइज करने का यह फैसला 21 जुलाई से लागू कर दिया गया है। देश के मानव संसाधन और सामाजिक विकास मंत्रालय, नगर निगम और आवास मंत्रालय ने इस संबंध में ये फैसला किया है। स्थानीयकरण का ये फैसला इंजीनियरिंग व्यवसायों में पांच या उससे ज्यादा कामगारों को रोजगार देने वाले निजी प्रतिष्ठानों पर लागू होगा। छोटे प्रतिष्ठानों, जिनमें कर्मचारियों की संख्या चार तक है, वहां ये नियम लागू नहीं होगा। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि ये फैसला कई क्षेत्रों में देश के पुरुष और महिला नागरिकों के लिए रोजगार के ज्यादा अवसर पैदा करेगा। सऊदी के इस फैसले से स्थानीय लोगों को नौकरी मिलने में आसानी होगी। देश में केमिकल इंजीनियर, सिविल इंजीनियर, फ्लाइट इंजीनियर, स्ट्रक्चरल इंजीनियर, मैकेनिकल इंजीनियर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के जॉब काफी संख्या में हैं। सऊदी सरकार ने इंजीनियरिंग में रोजगार बढ़ाने के लिए भी कई कदम उठाए हैं। प्रतिष्ठानों को मदद के लिए मानव संसाधन विकास कोष एचएडीएएफ ने प्रोत्साहन और सहायता, भर्ती प्रक्रियाओं और उपयुक्त श्रमिकों की खोज, प्रशिक्षण और व्यावसायिक योग्यता, भर्ती प्रक्रिया और कैरियर निरंतरता का समर्थन का फैसला लिया है। पिछले कुछ सालों में सऊदी अरब ने 2030 तक बेरोजगारी को सात फीसदी तक कम करने के लिए कई क्षेत्रों में श्रमिकों के सऊदीकरण की घोषणा की है, जो आय स्रोतों में विविधता लाने और तेल पर निर्भरता को कम करने के विजन 2030 के लक्ष्य के अनुरूप है। सऊदी सरकार के इस फैसले का सीधा असर भारतीय कामगारों पर भी होगा। सऊदी में काम करने वालों की संख्या करीब 26 लाख है। सऊदी में भारतीय करीब हर क्षेत्र में नौकरियां कर रहे हैं। इसमें ड्राइवर, सफाईकर्मी, रसोइया, नर्स के अलावा इंजीनियरिंग क्षेत्र की नौकरियां शामिल हैं। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस अपने महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट विजन 2030 के तहत सऊदी अरब के हर क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन कर रहे हैं। इसी क्रम में सऊदी में नौकरियों में आरक्षण का फैसला लिया गया है।

ट्रम्प पर हमले में अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने माना हुई बड़ी चूक

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर हुए हमले से जुड़ी एक बड़ी खबर आई है जिसमें बताया गया है कि सीक्रेट सर्विस से भारी चूक हुई है। सीक्रेट सर्विस के डायरेक्टर किम्बरली ने माना कि ट्रम्प पर हमला दशकों में

सबसे बड़ी चूक है। संसद में अपनी पेशी के दौरान किम्बरली चिटेल ने यह बयान दिया। डोनाल्ड ट्रम्प पर हमले को रोकने दशकों में सीक्रेट सर्विस की बड़ी नाकामी है। इसकी वजह से ट्रंप घायल हो गए थे। हालांकि पहली गोली चलाने के 26 सेकंड बाद एक सीक्रेट सर्विस स्नाइपर ने हमलावर को मार गिराया था। हमले के बाद डायरेक्टर किम्बली चीटल के खिलाफ सुनवाई चल रही है। रिपब्लिकन कमिटी के अध्यक्ष जेम्स कॉमर ने कहा कि इस घटना को रोका जा सकता था। राष्ट्रपति जो बाइडन ने डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के प्रयास के बाद राष्ट्रपति पद के स्वतंत्र उम्मीदवार रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर की सुरक्षा करने का आदेश यू.एस. सीक्रेट सर्विस' को दिया था। कैनेडी के अभियान कार्यक्रमों ने समर्थकों और उनके संदेश में रुचि रखने वाले लोगों की बड़ी भीड़ को आकर्षित किया है। बता दें पेंसिल्वेनिया में गत शनिवार को एक रैली में हुई गोलीबारी में ट्रंप बाल-बाल बच गए और उन्हें गंभीर चोट नहीं आई थी। हमले की स्वतंत्र समीक्षा की गई।

ताइवान में एक महिला सैनिकों को नदी के करीब किसी दुश्मन को रोकने के लिए बारुदी सुरंग लगाते हुए देखती हुई।

नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा को लेकर 'स्पष्ट और दृढ़', भारतीय क्षेत्रों पर दावा

-पीएम बनते ही ओली ने उठाया सीमा विवाद का मुद्दा

काठमांडू। नेपाल के नवनियुक्त पीएम के.पी.ओली शर्मा ने कहा कि भारत के साथ सीमा से जुड़े मुद्दों को कूटनीतिक तंत्र के जरिए हल करने के लिए तैयार है और काठमांडू अपनी अंतरराष्ट्रीय सीमा के बारे में 'स्पष्ट और दृढ़' है। प्रतिनिधि सभा में विश्वास मत हासिल करने के एक दिन बाद सांसदों के सवालों का जवाब देते हुए ओली ने कहा कि सरकार इस बात पर दृढ़ और स्पष्ट है कि 1816 की सुगौली संधि के अनुसार, लिम्पियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख समेत महाकाली नदी के पूर्व में स्थित क्षेत्र नेपाल के हैं। ओली ने कहा कि संघीय संसद और नेपाल सरकार का रुख देश की अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े मुद्दों को लेकर स्पष्ट और दृढ़ है। उन्होंने कहा कि नेपाल ने एक नया मानचित्र अपनाया है, जिसे 2017 में संविधान में दूसरे संशोधन के जरिए से शामिल किया गया है और इसके अनुलग्नक तीन में उल्लेख किया गया है और हमारी अंतरराष्ट्रीय सीमा के बारे में अभूतपूर्व राष्ट्रीय सहमति बनी है। ओली ने 15 जुलाई को नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के प्रधानमंत्रियों के बीच उच्चस्तरीय यात्राओं के दौरान हुई मुलाकातों में दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तंत्र के जरिए अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े मुद्दों को सुलझाने पर सहमति बनी है। ओली ने कहा कि 4 जनवरी को आयोजित नेपाल-भारत विदेश मंत्री स्तरीय संयुक्त आयोग की सातवीं बैठक के दौरान नेपाल-भारत सीमा से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की गई थी और नेपाल-भारत सीमा के शेष हिस्सों पर लंबित कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

चीनी भाई-भाई, इजरायल-यूएस की नाक के नीचे बीजिंग ने 17 साल पुराने 2 दुश्मनों की दोस्ती कराई

बीजिंग (एजेंसी)। इजरायल और फिलिस्तीन की जंग रूकने का नाम नहीं ले रही है। लगातार बढ़ती ही जा रही है। इन सब के बीच चीन से ऐसी खबर सामने आई है जो अमेरिका और इजरायल दोनों की टेंशन बढ़ा सकती है। हूती की लड़ाई अलग लेवल पर पहुंच गई है तो हिज्जबुल्ला ने भी अपने हमले बहुत तेज कर दिए हैं। इजरायल के ऊपर इसका असर दिखने लगा है। कुछ वक्त पहले की बात है जब रूस में हमास और फिलिस्तीन के अन्य संगठनों की मीटिंग हुई थी। इसके पीछे का मकसद था कि जंग के खत्म होने के बाद गाजा-वेस्ट बैंक के इलाके में सारे फिलिस्तीनी मिलकर काम करे। अब हाल में ही चीन में एक मीटिंग हुई है जो बहुत ही महत्वपूर्ण है। चीन की इस मीटिंग में फतह, हमास और इसके अलावा 14 अलग अलग आजाद फिलिस्तीन के एक्टिव संगठन मौजूद थे। इन सारे विभिन्न संगठनों में आपस में ही गतिरोध रहा है और जिसका फायदा इजरायल को मिलता रहा है। चीन के विदेश मंत्री और हमास के अधिकारियों ने कहा कि प्रतिद्वंद्वी फिलिस्तीनी गुटों हमास और फतह ने चीन की मध्यस्थता में हुई एक बैठक में इजराइल के साथ युद्ध के बाद कब्जे वाले वेस्ट बैंक और गाजा के लिए एक अंतरिम राष्ट्रीय सुलह सरकार बनाने पर सहमति व्यक्त करते हुए एक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

बीजिंग में तीन दिनों की वार्ता के बाद 12 अन्य फिलिस्तीनी गुटों के साथ समूहों के प्रतिनिधियों ने एकता के लिए काम करने का वादा किया। यह हमास और फतह के बीच लंबे समय से खंडित संबंधों के बीच हुए कई सुलह समझौतों में से नवीनतम है, जिनमें से किसी के भी कारण अभी तक विवाद का अंत नहीं हुआ है। इज़राइल ने वहां शत्रुता समाप्त होने के बाद

गाजा पर शासन करने में हमास या फतह की भूमिका से भी इंकार कर दिया है। गहरा विभाजन 2007 में शुरू हुआ जब फतह को क्षेत्र से हिंसक तरीके से बेदखल करने के बाद हमास गाजा में एकमात्र शासक बन गया। यह फिलिस्तीनी राष्ट्रपति और फतह नेता महमूद अब्बास द्वारा हमास के नेतृत्व वाली एकता सरकार को भंग करने के बाद आया, जब हमास ने एक साल पहले राष्ट्रीय चुनाव जीता था। तब से, फतह-प्रभुत्व वाले फिलिस्तीनी प्राधिकरण को वेस्ट बैंक के केवल कुछ हिस्सों का प्रभारी छोड़ दिया गया है।

इजराइल-हमास युद्ध से क्या चाहता है चीन?

बीजिंग ने पहले अप्रैल में हमास और फतह के बीच वार्ता की मेजबानी की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने मंगलवार को कहा चीन और फिलिस्तीन भरोसेमंद भाई और अच्छे साझेदार हैं। उन्होंने कहा कि चीन एकता और सुलह की दिशा में सभी संबंधित पक्षों के साथ अथक प्रयास करेगा। विदेश मंत्री वांग यी का कहना है कि सुलह फिलिस्तीनी गुटों के लिए एक आंतरिक मामला है, लेकिन साथ ही, इसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समर्थन के बिना हासिल नहीं किया जा सकता है।

कनाडा में फिर हिंदू मंदिर को निशाना बनाया... भारत विरोधी टिप्पणियां लिखी गई

कनाडा (एजेंसी)। कनाडा भारत विरोधी गतिविधियों का गढ़ बन चुका है। खालिस्तान समर्थकों पर कनाडा में एक्शन ना होकर उन्हें बढ़ावा दिया जा रहा है। इस कड़ी में कनाडा के एडमोंटन में एक हिंदू मंदिर को निशाना बनाया गया। मंदिर की दीवारों पर भारत विरोधी टिप्पणियां लिख दी गई। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने बताया कि बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर की दीवारों पर भारत के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई। साथ ही कहा कि ग्रैफिटी के द्वारा भारतीय मूल के कनाडाई सांसद चंद्र आर्य पर भी हमला किया गया।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने पोस्ट में लिखा, कनाडा के एडमोंटन में मंदिर आज सुबह एक और हिंदू मंदिर पर हमला किया गया। मंदिर पर कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स के कुछ हिंदू सदस्यों में से एक के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग किया गया। हम इस घटना की निंदा करते हैं जो पिछले कई हमलों का ही हिस्सा है जिनमें से ज्यादातर के लिए खालिस्तान समर्थक दोषी हैं।

सांसद आर्य ने कहा है कि कनाडा में हिंदू मंदिरों को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। आर्य ने कहा, एडमॉन्टन में स्वामीनारायण मंदिर में फिर से तोड़फोड़ की गई है। पिछले कुछ सालों में ग्रेटर टोरंटो एरिया, ब्रिटिश कोलंबिया और कनाडा के दूसरे जगहों पर हिंदू मंदिरों को ग्राफिटी के जरिए नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

सांसद चंद्र आर्य ने कहा, जैसा कि मैं हमेशा से कहता रहा हूं, खालिस्तानी चरमपंथी हिंसा फैलाने के बावजूद आसानी से बच जाते हैं। फिर से मैं इस रिकॉर्ड पर रखूंगा। हिंदू कनाडाई इससे चिंतित हैं। मैं फिर से कनाडा की कानूनी एजेंसियों से इस मुद्दे को गंभीरता से लेने की गुजारिश करता हूं, इससे पहले कि ये बयानबाजी लोगों के खिलाफ शारीरिक हिंसा में तब्दील हो जाए।

पाकिस्तानी सेना के खिलाफ कबाइलियों ने बुलाया जिरगा, ऑपरेशन का किया विरोध

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना का देश में विरोध शुरू हो गया है। पश्तून कबाइलियों ने सेना के चरमपंथ विरोधी ऑपरेशन के खिलाफ आवाज उठाई है। खैबर-पख्तूनख्वा (केपी) के सीएम हाउस पर कबाइलियों का जिरगा (बैठक) बुलाया गया, जिसमें कई बड़े कबाइली नेता शामिल हुए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जिरगा में नेताओं ने ऑपरेशन अज्म-ए-इस्तेहकाम का विरोध किया। इसके साथ ही पाकिस्तान को गुड तालिबान और बैड तालिबान दोनों को खत्म करने को कहा गया है। गुड तालिबान पाकिस्तान में उन तालिबानी आतंकवादियों को कहा जाता है, जिनके पाकिस्तानी सेना से अच्छे संबंध हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक जिरगा की अध्यक्षता खैबर पख्तूनख्वा के सीएम अली अमीन गंडापुर ने की। इसमें केपी के मुख्य सचिव, आईजी पुलिस, बन्नू के कमिश्नर और क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी, डिप्टी कमिश्नर ने भाग लिया। जिरगा में कबाइली नेताओं ने सीएम गंडापुर के सामने 11 मांगे रखी। उन्होंने मांग की कि तलाशी अभियान के दौरान मदरसों, घरों और व्यक्तियों के साथ अनुचित व्यवहार नहीं होना चाहिए।

जिरगा नेताओं ने कहा कि मदरसों और घरों पर रेड करना गलत होगा और इससे लोगों में गुस्सा बढ़ेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्थानीय प्रशासन को क्षेत्र में तालिबान से निपटने के लिए पूर्ण अधिकार दिए जाने चाहिए। इसके साथ ही आतंकवाद निरोधक विभाग को पूरी तरह सक्रिय करने और आतंकवादियों और आपराधिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अधिकृत करने का आग्रह किया है।

पश्तूनों के विरोध का असर पाकिस्तान में दिखाई देने लगा है। लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि ऑपरेशन अज्म-ए-इस्तेहकाम मिलिट्री ऑपरेशन नहीं है, बल्कि आतंकवाद विरोधी अभियान है। उन्होंने यह भी दावा किया कि एक मजबूत लॉबी नेशनल एक्शन प्लान को सफल नहीं होने देना चाहती है। उन्होंने कहा कि अज्म-ए-इस्तेहकाम की तुलना जर्ब-ए-अज्ब और राह-ए-निजात जैसे पिछले अभियानों से करना ठीक नहीं है।

सऊदी सरकार का फैसला, अब स्थानीय लोगों को दी जाएगी नौकरी, भारतीयों पर मंडराने लगा खतरा

रियाद (एजेंसी)। सऊदी अरब की सरकार ने नौकरियों में स्थानीय लोगों को ज्यादा मौका देने का फैसला लिया है। सऊदी अरब ने निजी क्षेत्र में 25 फीसदी इंजीनियरिंग नौकरियां स्थानीय लोगों के लिए आरक्षित कर दी हैं। नौकरियों को लोकेलाइज करने का यह फैसला 21 जुलाई से लागू कर दिया गया है।

देश के मानव संसाधन और सामाजिक विकास मंत्रालय, नगर निगम और आवास मंत्रालय ने इस संबंध में ये फैसला किया है। स्थानीयकरण का ये फैसला इंजीनियरिंग व्यवसायों में पांच या उससे ज्यादा कामगारों को रोजगार देने वाले निजी प्रतिष्ठानों पर लागू होगा। छोटे प्रतिष्ठानों, जिनमें कर्मचारियों की संख्या चार तक है, वहां ये नियम लागू नहीं होगा। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि ये फैसला कई क्षेत्रों में देश के पुरुष और महिला नागरिकों के लिए रोजगार के ज्यादा अवसर पैदा करेगा। सऊदी के इस फैसले से स्थानीय लोगों को नौकरी मिलने में आसानी होगी। देश में केमिकल इंजीनियर, सिविल इंजीनियर, फ्लाइट इंजीनियर, स्ट्रक्चरल इंजीनियर, मैकेनिकल इंजीनियर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के जॉब काफी संख्या में हैं।

सऊदी सरकार ने इंजीनियरिंग में रोजगार बढ़ाने के लिए भी कई कदम उठाए हैं। प्रतिष्ठानों को मदद के लिए मानव संसाधन विकास कोष एचएडीएएफ ने प्रोत्साहन और सहायता, भर्ती प्रक्रियाओं और उपयुक्त

श्रमिकों की खोज, प्रशिक्षण और व्यावसायिक योग्यता, भर्ती प्रक्रिया और कैरियर निरंतरता का समर्थन का फैसला लिया है। पिछले कुछ सालों में सऊदी अरब ने 2030 तक बेरोजगारी को सात फीसदी तक कम करने के लिए कई क्षेत्रों में श्रमिकों के सऊदीकरण की घोषणा की है, जो आय स्रोतों में विविधता लाने और तेल पर निर्भरता को कम करने के विजन 2030 के लक्ष्य के अनुरूप है।

सऊदी सरकार के इस फैसले का सीधा असर भारतीय कामगारों पर भी होगा। सऊदी में काम करने वालों की संख्या करीब 26 लाख है। सऊदी में भारतीय करीब हर क्षेत्र में नौकरियां कर रहे हैं। इसमें ड्राइवर, सफाईकर्मी, रसोइया, नर्स के अलावा इंजीनियरिंग क्षेत्र की नौकरियां शामिल हैं। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस अपने महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट विजन 2030 के तहत सऊदी अरब के हर क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन कर रहे हैं। इसी क्रम में सऊदी में नौकरियों में आरक्षण का फैसला लिया गया है।

हमारा दृष्टिकोण भविष्य पर केंद्रित है, डोनाल्ड ट्रंप का अतीत पर: हैरिस

-मध्यम वर्ग का निर्माण मेरे राष्ट्रपति पद का एक निर्णायक लक्ष्य

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने अपने राष्ट्रपति पद के लिए चुनावी अभियान की शुरुआत कर दी है। हैरिस ने विलमिंगटन, डेलावेयर में जोरदार तरीके से अपनी बात रखी। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप पर व्यक्तिगत हमला करते हुए ट्रम्प को धोखेबाज, जालसाज और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने वाला इंसान बताया है। हैरिस ने कहा कि उनका दृष्टिकोण भविष्य पर केंद्रित है जबकि ट्रंप का अतीत पर। इस दौरान राष्ट्रपति जो बाइडेन फोन द्वारा इसमें शामिल हुए।

हैरिस ने बाइडेन के स्टाफ को ही अपने अभियान में लगा लिया है। बाइडेन ने भी अपने स्टाफ से कमला हैरिस के लिए दिल से काम करने को कहा है। हैरिस के अभियान ने केवल 24 घंटे में 81 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। डेमोक्रेट उत्साहित दिख रहे हैं और पहली प्रेसिडेंशियल डिबेट में बाइडेन के खराब प्रदर्शन के बाद अब हैरिस के पीछे खड़े हैं। 20,000 से ज्यादा नए वालंटियर अभियान में जुड़ गए हैं।

हैरिस ने अपने भाषण में एक जिला अदालत से लेकर कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल बनने तक के अपने करियर को याद करते हुए कहा कि उन्होंने उन लोगों का सामना किया जो महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करते हैं। ऐसे धोखेबाज जो कंज्यूमर्स को लूटते हैं, जो अपने लाभ के लिए नियम तोड़ते हैं। उन्होंने कहा मेरी बात सुनिए क्योंकि मैं डोनाल्ड ट्रंप टाइप लोगों को जानती हूं।

हैरिस ने कहा डोनाल्ड ट्रंप एक कॉलेज ट्रम्प यूनिवर्सिटी चलाते थे, जिसे छात्रों को ठगने के लिए 25 मिलियन डॉलर का भुगतान करना पड़ा। 2007-2008 के वित्तीय संकट का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मैंने बड़े वॉल स्ट्रीट बैंकों से मुकाबला किया और कैलिफोर्निया के परिवारों के लिए 20 बिलियन डॉलर जीते। उन बैंकों को धोखाधड़ी के लिए जिम्मेदार ठहराया। ट्रंप को हाल ही में धोखाधड़ी के 34 मामलों में दोषी पाया गया है। हैरिस ने ट्रंप के साथ मुकाबले को अमेरिका के लिए दो विपरीत धाराओं की लड़ाई के रूप में परिभाषित किया। उन्होंने कहा कि ट्रंप देश को पीछे ले जाना चाहते हैं जब हमारे साथी अमेरिकियों को पूर्ण स्वतंत्रता और अधिकार नहीं थे। हम एक ऐसे

उज्जवल भविष्य में विश्वास करते हैं जो सभी अमेरिकियों के लिए जगह बनाए। हम एक ऐसे भविष्य में विश्वास करते हैं जहां हर व्यक्ति को न केवल गुज़र-बसर करने का बल्कि आगे बढ़ने का मौका मिले। इन सबका मतलब यह है कि मध्यम वर्ग का निर्माण मेरे राष्ट्रपति पद का एक निर्णायक लक्ष्य होगा।

अर्थव्यवस्था को तीव्र गति एवं महाशक्ति बनाने वाला बजट

ललित गर्ग

अक्सर बजट में राजनीति, वोटनीति तथा अपनी व अपनी सरकार की छवि-वृद्धि करने के प्रयास ही अधिक दिखाई देते है लेकिन बावजूद यह बजट राजनीति प्रेरित नहीं, देश प्रेरित है। इस बजट में जो नयी दिशाएं उद्घाटित हुई है और संतुलित विकास, भ्रष्टाचार उन्मूलन, वित्तीय अनुशासन एवं पारदर्शी शासन व्यवस्था का जो संकेत दिया गया है, सरकार को इन क्षेत्रों में अनुकूल नतीजे हासिल करने पर खासी मेहनत करनी होगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का प्रथम सम्पूर्ण बजट वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रस्तुत किया, उनकी ओर से प्रस्तुत यह बजट एक मौलिक सोच एवं दृष्टि से दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था को एक चमकते सितारे के रूप में स्थापित करने एवं सुदृढ़ आर्थिक विकास के लिये आगे की राह दिखाने वाला है। संभावना है कि इस बजट में समावेशी विकास, बच्चियों को वरीयता, नौकरीपेशा का थोड़ी राहत, बुनियादी ढांचे में निवेश, पर्यटन को बढ़ावा, आदिवासी उन्नयन, क्षमता विस्तार, हरित एवं कृषि विकास, महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी, मोदी के नये भारत-सशक्त भारत-विकसित पर बल दिया गया है। वित्त मंत्री ने सरकार की 9 प्राथमिकताओं -खेती में उत्पादकता और मजबूती बढ़ाना, रोजगार और स्किल डेवलपमेंट, मानव संसाधन का समावेशी विकास और सामाजिक न्याय, मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज, अर्बन डेलपमेंट, एनर्जी सिक्योरिटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, इन्नोवेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म्स का ऐलान किया है, जो देश को आत्मनिर्भर बनाने की रफ्तार को भी गति देगा। बजट में जहां बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष योजनाओं से जोड़ा गया है वहीं महंगाई को नियंत्रित करने की मंशा साफ दिखाई दी है। विकास, स्टार्टअप और रोजगार सृजन के कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह बजट देश को न केवल विकसित देशों में बल्कि इसकी अर्थव्यवस्था को विश्व स्तर पर तीसरे स्थान दिलाने के संकल्प को बल देने में सहायक बनेगा। सातवीं बार बजट प्रस्तुत कर वित्तमंत्री सीमारमण ने पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई द्वारा स्थापित रिकॉर्ड को तोड़ दिया है, जिन्होंने वित्त मंत्री के रूप में पांच वार्षिक बजट और एक अंतरिम बजट पेश किया था।

सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने, उसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने और अर्थव्यवस्था को तीव्र गति देने की दृष्टि से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा मंगलवार को लोकसभा में प्रस्तुत आम बजट इसलिए विशेष रूप से उल्लेखनीय है, क्योंकि मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, न कि लोकलुभावन योजनाओं के जरिये प्रशंसा पाने अथवा कोई राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है। राजनीतिक हितों से ज्यादा देशहित को सामने रखने की यह पहल अनूठी है, प्रेरक है। अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है, जो इस बजट से पूर्ण होता हुआ दिखाई देता है। इस बजट में मध्यम वर्ग को लम्बे अन्तराल के बाद 7 लाख रुपये तक की कुल कमाई करने वालों को बड़ी राहत दी है। नए टैक्स रिजीम के तहत स्टैंडर्ड डिडक्शन की लिमिट 50 हजार रुपये से

बढ़ाकर 75 हजार रुपये कर दिया गया है। साथ ही नए टैक्स रिजीम में टैक्स स्लैब में बदलाव किया गया है। बजट में लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स में भी कुछ अहम बदलाव करने का एलान किया है। मौजूदा नियमों के तहत एक वित्त वर्ष के दौरान अधिकतम 1 लाख रुपये तक के लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन पर कोई टैक्स नहीं लगता है। इस लिमिट को बढ़ाकर 1.25 लाख रुपये सालाना कर दिया गया है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, ह्यनवाचार, अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिये बुनियादी अनुसंधान और प्रोटोटाइप विकास के लिए अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान कोष की स्थापना की घोषणा की। वाणिज्यिक स्तर पर निजी क्षेत्र द्वारा संचालित अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 1 लाख करोड़ रुपये का वित्तपोषण पूल भी बनाया जाएगा। मोबाइल फोन और मोबाइल पीसीबीएस तथा मोबाइल चार्जर पर बीसीडी को घटाकर 15 प्रतिशत करने का प्रस्ताव किया गया है। वित्तीय घाटा 2024-25 तक सकल घरेलू उत्पाद का 4.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। लक्ष्य घाटे को 4.5 प्रतिशत से नीचे पहुंचाने का लक्ष्य है। 25,000 ग्रामीण बस्तियों को सभी मौसमों के अनुकूल सड़कें प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना चरण 4 का शुभारंभ किया जाएगा। कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास बनाए जाएंगे। छात्रावासों और क्रेच के माध्यम से कार्यबल में महिलाओं की अधिक भागीदारी को बढ़ावा दिया जाएगा। सरकार समग्र विकास के लिए राष्ट्रीय सहयोग नीति लाएगी। घरेलू संस्थानों में उच्च शिक्षा के लिए 10 लाख तक के ऋण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने का भी प्रस्ताव है। इस वर्ष शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

भारत की अर्थव्यवस्था को तीव्र गति देने की दृष्टि से यह बजट कारगर साबित होगा, जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे, रोजगार के नये अवसर सामने आयेंगे, उत्पाद एवं विकास को तीव्र गति मिलेगी। चालू वित्त वर्ष में आर्थिक क्षेत्र में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिले, लेकिन इन सब स्थितियों के बावजूद इस बजट प्रावधानों के माध्यम से देश को स्थिरता की तरफ ले जाते दिखाई पड़ रहे हैं। बजट हर वर्ष आता है। अनेक विचारधाराओं वाले वित्तमंत्रियों ने विगत में कई बजट प्रस्तुत किए। पर हर बजट लोगों की मुसीबतें बढ़ाकर ही जाता रहा है। लेकिन इस बार बजट ने अर्थव्यवस्था में नयी परम्परा के साथ राहत की सांसें दी है तो नया भारत- सशक्त भारत-विकसित के निर्माण का संकल्प भी व्यक्त किया है। इस बजट में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, रेलों का विकास, सड़कों और अन्य बुनियादी ढांचागत क्षेत्रों के विकास के साथ-साथ किसानों, आदिवासियों, गांवों और गरीबों को ज्यादा तवज्जो दी गयी है। सच्चाई यही है कि जब तक जमीनी विकास नहीं होगा, तब तक आर्थिक विकास की गति सुनिश्चित नहीं की जा सकेगी। इस बार के बजट से हर किसी ने काफी उम्मीदें लगा रखी थीं और उन उम्मीदों पर यह बजट खरा उतरा है। विशेषतः नौकरीपेशा लोगों ने राहत की सांस ली है।

संभवतः इस बजट को नया भारत निर्मित करने की दिशा में लोक-कल्याणकारी बजट कह सकते हैं। यह बजट वित्तीय अनुशासन स्थापित करने की दिशाओं को भी उद्घाटित करता है। आम बजट न केवल आम आदमी के सपने को साकार करने, आमजन की आकांक्षाओं को आकार देने और देशवासियों की आशाओं को पूर्ण करने वाला है बल्कि यह देश को समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र बनाने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण एवं दूरगामी सोच से जुड़ा कदम है। बजट के सभी प्रावधानों एवं प्रस्तावों में जहां ह्यहर हाथ को कामह्न का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्न का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। आजादी के अमृत काल में प्रस्तुत यह बजट निश्चित ही अमृत बजट है। जिसमें भारत के आगामी 25 वर्षों के समग्र एवं बहुमुखी विकास को ध्यान में रखा गया है। बीते कुछ सालों में नरेन्द्र मोदी ने इकॉनमी को मजबूत करने के लिए जो नींव रखी थी, अब उस पर मजबूत इमारत खड़ा करने का मौका है।

आदिवासी समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान शुरू किया जाएगा। इससे 63,000 गांवों को कवर किया जाएगा, जिससे 5 करोड़ आदिवासी लोगों को लाभ होगा। बजट में टूरिज्म पर विशेष बल दिया गया है। पर्यटन हमेशा से हमारी सभ्यता का हिस्सा रहा है। भारत को वैश्विक गंतव्य के रूप में स्थापित करने के सरकार के प्रयासों से रोजगार के अवसर पैदा होंगे। बिहार में राजगीर और नालंदा के लिए एक व्यापक विकास पहल की जाएगी। सरकार ओडिशा में पर्यटन को बढ़ावा देगी, जिसमें प्राकृतिक सुंदरता, मंदिर, शिल्पकला, प्राकृतिक परिदृश्य, वन्यजीव अभयारण्य और प्राचीन समुद्र तट हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आशा के अनुरूप ही बजट का फोकस किसानों, आदिवासियों, स्वास्थ्य, शिक्षा, शहरी विकास, रोजगार, युवाओं की अपेक्षाओं, विकास और ग्रामीण क्षेत्र एवं पर्यटन पर रखा है। अपने ढांचे में यह पूरे देश का बजट है, एक आदर्श बजट है। इसका ज्यादा जोर सामाजिक विकास पर है। अक्सर बजट में राजनीति, वोटनीति तथा अपनी व अपनी सरकार की छवि-वृद्धि करने के प्रयास ही अधिक दिखाई देते है लेकिन बावजूद यह बजट राजनीति प्रेरित नहीं, देश प्रेरित है। इस बजट में जो नयी दिशाएं उद्घाटित हुई है और संतुलित विकास, भ्रष्टाचार उन्मूलन, वित्तीय अनुशासन एवं पारदर्शी शासन व्यवस्था का जो संकेत दिया गया है, सरकार को इन क्षेत्रों में अनुकूल नतीजे हासिल करने पर खासी मेहनत करनी होगी।

संपादकीय

केदारनाथ में हादसा

ऊत्तराखंड़ स्थित केदारनाथ में गौरीकुंड के पास पहाड़ी से पत्थर नीचे गिरने के कारण तीन लोगों की मौत वाकई दुखद है। हादसे में पांच लोग गंभीर रूप से जख्मी हैं। दरअसल, पहाड़ों में बारिशों के कारण अक्सर ही जमीन खिसकने (लैंड स्लाइड) के मामले होते रहते हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि लैंड स्लाइड होने के कारण ही यह हादसा हुआ है। हादसा रविवार सुबह हुआ। पहाड़ से बड़े-बड़े पत्थर गिरने की घटना तीन स्थानों पर हुई। गौर करने वाली बात यह है कि गौरीकुंड़-जहां हादसा हुआ है-वहां से केदारनदाथ धाम तक 16 किलोमीटर लंबे पैदल यात्रा मार्ग पर कई संवेदनशील क्षेत्र हैं, जहां हल्की बारिश में ही पहाड़ से पत्थर और मलबा गिरने लगता है। यह पूरा स्ट्रेच भूस्खलन की दृष्टि से अतिसंवेदनशील है। इस मामले में कुछ ऐसा हुआ कि उस दिन भारी बारिश हो रही थी और श्रद्धालु यात्रा पर थे। उन्हें इस आशंका का भान ही न हो सका। यहां प्रशासन की जिम्मेदारी को परखना जरूरी बन जाता है। जब यह बात वहां के प्रशासन और आपदा प्रबंधन को मालूम था तो फिर यात्रियों को इसकी जानकारी देना उनका फर्ज था। वैसे भी केदारनाथ में इससे पहले कई हादसे हुए हैं। बीते आठ वर्षों में वषाकाल के दौरान इस मार्ग पर हादसे में 19 व्यक्तियों को जान गंवानी पड़ी। इस नाते वहां के प्रशासन को इसकी तैयारियां चौकस रखनी चाहिए थी। यह घनघोर लापरवाही का मामला है। इसकी अनदेखी नहीं होनी चाहिए थी। हालांकि अब प्रशासन अपनी साख बचाने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, मगर यह सब कवायद यात्रा शुरू होने से पहले होनी चाहिए थी। ताजा निर्देश के मुताबिक शाम 5 बजे से दूसरे दिन सूर्योदय तक केदारनाथ पैदल मार्ग पर आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। यात्रियों की भी जिम्मदारी है कि वो खुद से खतरा मोल न लें। अगर मौसम साफ है और यात्रा में कोई व्यवधान की अग्रिम सूचना नहीं है तभी आगे बढ़ा जा सकता है। प्रकृति से लड़कर कोई आज तक जीत नहीं सका है। सभी लोगों को उसके रौद्र रूप की वजहों की तलाश करनी होगी और उसका सम्मान भी करना होगा। पहाड़ी राज्यों में लोगों की जरूरत से ज्यादा आवाजाही और अंधाधुंध निर्माण के कार्यों पर बहुत सोच-समझकर आगे बढ़ना होगा। प्रकृति के साथ तारतम्य बनाने और उसके अनुरूप चलने से ही जान-माल के नुकसान से बचा जा सकता है। यह बात हर किसी को अपने जेहर में रखनी होगी।

चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक से हो

एक सास ने बहू से कहा, बहूरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूं। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। सब खिड़कियां बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आएगा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूं, देखती हूं कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी। अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहां से आ गया! कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाओ मेरे घर से! मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है! खूब लाठियां बजाईं। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गए। लहूलुहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। परेशान हो गई।

सास आई। दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया? मैंने कहा था कि अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहूलुहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोका, पर इतना जिदी है कि माना ही नहीं और यह तो घुस ही गया। सास ने सिर पर हाथ रखा। कहा, बहूरानी! अंधेरे को ऐसे मिटाया जाता है? क्या अंधेरा ऐसे मिटता है? समझी नहीं तुम बात को। सास ने दीया जलाया, अंधेरा समाप्त हो गया। उपाय के बारे में हमारी जानकारी सही नहीं होती तो हम प्रयत्न तो करते हैं, परिश्रम करते हैं, पर अंधेरा मिटता नहीं।

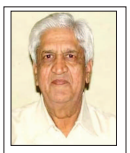

ओमप्रकाश मेहता

...और अब नाम-पहचान पर धर्मयुद्ध?

आज सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि समूचा विश्व एक दमघोटू माहौल में जीने को मजबूर है, साम्प्रदायिकता का यह जहरीला धुंआ हर किसी के दिल-दिमाग में घुटन पैदा कर रहा है, भारत का 'हिन्दूराष्ट्र' का नारा अब विश्वमंच से लगाया जाने लगा है, इस कारण से एक सम्प्रदाय विशेष में डर तथा चिंता व्याप्त हो गई है, अब यह माहौल क्यों बनाया गया और इसके पीछे कौन सी शक्तियां है? इसका उत्तर तो बाद में खोज लिया जाएगा, किंतु प्राथमिकता इस माहौल को खत्म करने की है, क्योंकि यह माहौल यदि खतरे की सीढ़ी पार कर गया तो पूरे विश्व की शांति खतरे में पड़ सकती है। भारत में इस माहौल की शुरूआत देश को राजनीतिक नेतृत्व प्रदान करने वाले उत्तरप्रदेश से हुई है, जहां सबसे पहले धार्मिक रैलियों के मार्ग की दुकानों के बाहर उनके मालिकों के नाम की पट्टियां लगाने के आदेश प्रदान किए गए, जिसका सबसे पहले अनुसरण पड़ौसी राज्य उत्तराखण्ड़ ने किया जहां कांवड़ मार्ग की दुकानों पर इस विवादित नियम को लेकर सख्ती बरती गई। उत्तरप्रदेश और उत्तराखण्ड के बाद अब छत का यह रोग मध्यप्रदेश में भी प्रवेश कर गया है और मध्यप्रदेश स्थित देश की सबसे पुण्य व पवित्र नगरी अवंतिका (उज्जैन) में इस नियम को सख्ती के साथ लागू करने के निर्देश प्रदान कर दिए गए। अब आज देश की सबसे बड़ी और अहम् चिंता यही है कि आखिर इन आदेशों को पालन करवा कर देश-प्रदेश का राजनीतिक नेतृत्व अपना कौन सा मकसद पूरा करना चाहता है? प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी ने पद ग्रहण करते ही आज से एक दशक पहले प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के 'पंचशील' सिद्धांतों की तो इतिश्री कर ही दी थी, जिनमें भारत में शांति की पहल की गई थी, अब आज के शासक देश को साम्प्रदायिक भट्टी में झौंक कर अपना कौन सा मकसद पूरा करना चाहते है, यदि मोदी जी को अपने तीसरें कार्यकाल में 'हिन्दूराष्ट्र' का संकल्प पूरा करना ही है तो उसके और भी अन्य रास्ते हो सकते है इसके लिए एक सम्प्रदाय विशेष को लक्ष्य बनाने की क्या जरूरत है?

....और अब तो यह मुहीम भारत तक सीमित न रहकर धीरे-धीरे विश्व स्तरीय स्वरूप ग्रहण करती जा रही है, यही आज की चिंता का सबसे बड़ा कारण है यदि देश-विदेश में यही माहौल बना रहा तो इसके परिणाम कितने खतरनाक होंगें? इसकी किसी ने कल्पना भी की है? हमारा इतिहास ऐसी मुहीम के परिणामों का गवाह है, इससे आज शिक्षा ग्रहण करने की जरूरत है। हमारा पुरातन काल से नारा 'सर्वधर्म समभाव' रहा है, हम आखिर उसे त्यागने को क्यों आतुर है?

शायद इसका मुख्य कारण आज का बदला हुआ माहौल है, हमारा देश हमेशा से धर्मपरायण रहा है, इसीलिए ऋषि-मुनियों ने अपना दबदबा कायम रखा, किंतु अब माहौल एकदम उलट गया है, आज देश के कर्णधार राजनेता साधु-महात्माओं की शरण में नही बल्कि साधु- महात्मा राजनेता की शरण में नजर आ रहे है, अब ऐसे में सहज ही देश, प्रजा और वहां के आध्यात्म के भविष्य की कल्पना की जा सकती है।

वैसे इस स्थिति के लिए कोई दोषी नही है, न राजनेता और न उनके आराध्य। दोषी है तो कुर्सी का मोह, जिसने एक बार कुर्सी प्राप्त कर ली वह उसे 'दीर्घजीवी' बनाने की कोशिश करता है और यही भावना आज की राजनीति का मुख्य केन्द्र है, अब ऐसे में यह सवाल पैदा होना स्वाभाविक है कि इसका ईलाज क्या है? तो सत्य बात यह है कि इसका ईलाज किसी संत-मौलवी या डॉक्टर के पास नही बल्कि स्वयं

रोगी के पास है, जो अपने में आत्म चेतन पैदा कर अपने आपको ठीक कर सकता है और वही अब करना भी चाहिए, दुकानों पर नाम पट्टी लगाने से कुछ नही होगा।

पाकिस्तानः पूर्व सैनिक बनाए जा रहे आतंकवादी

प्रमोद भार्गव

पाकिस्तान ने एक बार फिर कश्मीर में आतंकवादी हमले तेज कर दिए हैं। धारा 370 के खात्मे के बाद घाटी के हालात में जबरदस्त सुधार देखते हुए पाकिस्तान ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। स्थानीय स्तर पर घाटी के मुस्लिम युवाओं ने आतंक की राह छोड़कर जब करियर बनाने की दिशा में पहल कर दी तो पाक की भारतीय सीमा में युवाओं को लालच देकर आतंकी बनाने की मंशा पर विराम लग गया।

अतएव अब उसने अपने ही पूर्व सैनिकों को प्रलोभन देकर आतंकी बनाकर घुसपैठ कराने शुरू कर दी। नतीजतन भारतीय जमीन पर एक बार फिर से आतंकी घटनाओं का सिलसिला तेज हो गया। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में एक सेना के कप्तान समेत पांच जवान शहीद हो गए। सुरक्षाबल निरंतर आतंकियों को मार गिरा रहा है। बावजूद घुसपैठ का सिलसिला बना हुआ है, जो देश और सेना के लिए चिंता का सबब है। सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक घाटी में करीब डेढ़ माह से जारी आतंकी हमलों में पाकिस्तानी सेना के पूर्व सैनिकों की लिप्ता के पुख्ता प्रमाण मिले हैं। एजेंसियां इसका यह भी मानकर चल रही हैं कि घाटी में भारी मतदान के बाद पाकिस्तान हताशा के दौर से गुजर रहा है। उसे आशंका है कि कहीं विधानसभा चुनाव के बाद जम्मू-कश्मीर प्रांत में लोकतंत्र की बहाली न हो जाए? इसलिए वह घाटी में हमलों के जरिए माहौल खराब करके दहशत का वातावरण रचने में लगा है। अलगाववादी सुर का आलाप करने वाले मुफ्ती और अब्दुल्ला परिवार को मतदाता ने हराकर यह साबित कर दिया कि घाटी के हालात बदतर करने में इन परिवारों की भूमिका अहम रही है। इससे पाक ने शायद अंदाजा लगाया है कि विधानसभा चुनाव के बाद घाटी में जो प्रजातांत्रिक सरकार बनेगी, वह पाक की मंशा के अनुरूप चलने वाली नहीं है। इसलिए माहौल खराब करके चुनाव को टला जाए। इस बीच पाकिस्तान की फंडिंग से घाटी की तरह जम्मू क्षेत्र में आतंकियों की मदद करने वाले ओवर ग्राउंड कार्यकर्ताओं का एक नेटवर्क भी तैयार किया है। इसे सेना ध्वस्त करने में लगी है। डोडा किश्तवार, पुंछ, राजौरी, रियासी और कठुआ के कठिन भौगोलिक इलाकों में पिछले दो दषक में जैश-ए-मोहम्मद और लश्करे तैयबा ने ओवर ग्राउंड वार्कर नेटवर्क खड़ा किया था। यह अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा से आने वाले आतंकियों को घाटी के सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का काम करता था। घाटी में रहने वाले ये वार्कर घने वनों और दुर्गम इलाकों में छोटे-छोटे घर बनाकर रह रहे हैं। रियासी जिले में हिंदू भक्तों की बस पर गोली चलाने वाले आतंकियों को इन्हीं ओवर ग्राउंड वर्कर ने मदद की थी। भारतीय सेना के अनुसार ओवर ग्राउंड वार्कों वे लोग होते हैं, जो उग्रवादी या आतंकवादियों को रसद, नकदी, आश्रय और अन्य रहने लायक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं। सेना इस नेटवर्क को नष्ट कर रही है। पाक सेना कितनी दगाबाज है, इसका खुलासा पाक के पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल एवं पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई के पूर्व अधिकारी शाहिद अजीज ने ह्यद नेशनल डेलीह्ण में किया था। इसमें कहा गया था कि कारगिल युद्ध में पाक आतंकवादी नहीं, बल्कि उनकी वर्दी में पाकिस्तानी सेना के नियमित सैनिक ही लड़ रहे थे और इस लड़ाई का लक्ष्य सियाचिन पर कब्जा करना था। चूंकि यह लड़ाई बिना किसी योजना और अंतरराष्ट्रीय हालात का अंदाज लगाए बिना लड़ी गई थी, इसलिए तत्कालीन सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ ने पूरे मामले को रफा-दफा कर दिया था। इससे यह तथ्य तो प्रमाणित होता है कि पाकिस्तानी फौज इस्लामाबाद के पूरे नियंत्रण में नहीं है। आतंकी सरगना हाफिज सईद भारत-पाक सीमा पर खुलेआम घूम रहा है। जैश, लश्कर और हिजबुल के आतंकी दहशतगर्दी फैलाने में शरीक हैं।'

पाकिस्तान पूर्व सैनिकों को आतंकी बना रहा है। इसका सत्यापन इस तथ्य से भी होता है कि हाल ही में मारे में जिन आतंकियों से खतरनाक हथियार बरामद हुए हैं, उनका संचालन आसानी से सेना से प्रशिक्षित व्यक्ति ही कर सकता है। इन हथियारों में एम-4 कार्बाइन, 509 टैक्टिगल गन और एम-1911 और स्टेचर एयूजी रायफल बरामद हुई हैं। आतंकियों के पास से अल्ट्रा और माइक्रो रेडियो सेट भी बरामद हुए हैं। इनके नेटवर्क में सेंध लगाना आसान नहीं है। ये उपकरण भी अमेरिका द्वारा निर्मित हैं। अफगानिस्तान में नाटो सेनाओं ने इन हथियारों का इस्तेमाल किया था। अतएव ऐसी आशंका है कि अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना द्वारा छोड़े गए हथियार अब जम्मू-कश्मीर में सक्रिय आतंकियों तक पहुंच रहे हैं। यदि यह तथ्य एक ठोस सच्चाई है तो कश्मीर में आतंकी हिंसा का दुश्चक्र बढ़ता दिखाई दे सकता है? दरअसल, ये हथियार पाकिस्तान के जरिए भी आतंकियों को मिल सकते है और सीधे अफगानिस्तान से भी लाए जा सकते हैं। भारतीय एजेंसियों को ऐसी सूचनाएं भी मिली हैं, कि इन्हें तालिबान सीधे आतंकियों को आर्थिक बदहाली दूर करने के लिए बेच भी रहा है। पिछले चार वर्ष से आतंकियों के पास स्टेचर एयूजी रायफल होने के सूचनाएं मिल रही थीं।

एकाग्रता से बढ़ाएं कार्यकुशलता

काम करते वक्त ध्यान का भटकना लगभग सभी के साथ होता है, किंतु अगर यह बहुत ज्यादा होने लगे तो इससे कार्य पर तो असर पड़ता ही है, व्यक्ति का स्वभाव भी प्रभावित होने लगता है।

जिनमें एकाग्रता की कमी होती है वे बहुत चिंचित, उदास, चिड़चिड़े और सहमे से रहते हैं। कुछ अपराध भावना व हीनभावना के शिकार भी हो जाते हैं। आत्मविश्वास की कमी, असुरक्षा की भावना, कुंठा, गुस्सा, चिड़चिड़ापन व घबराहट बढ़ जाती है। ध्यान भटकने की समस्या में आमतौर पर आत्म नियंत्रण व व्यवहार नियंत्रण का अभाव होता है। ध्यान भटकने से अक्सर गलतियां होने की संभावना रहती है। जिनका ध्यान जल्दी बंट जाता है, उनकी मनोदशा में भी जल्दी-जल्दी उतार-चढ़ाव आते रहते हैं।

एकाग्रता बढ़ाने के लिए निम्न बातों पर गौर फरमाएं -

- एकाग्रता बढ़ाने के लिए मेडीटेशन और योग करें। इससे ध्यान केंद्रित करने की क्षमता का विकास होता है।
- एकाग्रता बढ़ाने के लिए किसी केंद्र बिंदु पर जितनी देर हो सके, ध्यान केंद्रित करें। धीरे-धीरे ध्यान केंद्रित करने का समय बढ़ाएं।
- माता-पिता को चाहिए कि शुरू से ही बच्चों को ध्यान केंद्रित करने की शिक्षा दें।
- अपने कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से और समय पर करें, इससे काम का अतिरिक्त बोझ भी नहीं पड़ेगा और किसी तरह की चिंता भी नहीं रहेगी।
- उद्देश्यों में कामयाब न होने पर भी नकारात्मक विचार आने लगते हैं और नकारात्मक विचार मन में हीनभावना लाते हैं अतः ऐसी भावना से बचें।
- सफलता प्राप्त होने पर स्वयं को सकारात्मक सोच से भरें, जिससे काम करने का उत्साह बना रहे।
- बचपन से ही बच्चों की ताकतों और कमजोरियों को पहचानने की कोशिश करें। जहां तक हो सके घर का माहौल हंसी-खुशी का बनाकर रखें, ताकि बच्चों में नकारात्मक सोच पैदा न हो।
- अपने कार्य को समय-समय पर रिव्यू करते रहें।
- बच्चों की बातों को अनसुना करने की बजाए गौर से सुनें और उन पर ध्यान दें।
- एकाग्रता से काम करने के लिए शांतिपूर्ण माहौल का होना जरूरी है। इसलिए काम करते समय रेडियो या टीवी न चलाएं।
- काम पर ध्यान केंद्रित करने के लिए खुद को अनुदेश देते रहें कि आपका ध्यान केवल अपने निर्धारित काम के अलावा और कहीं नहीं जाए।
- यदि काम करते समय ध्यान टीवी देखने या किसी मनोरंजन के साधन की ओर जाए तो पहले उसे पूरा करें, फिर काम करें। इससे ध्यान भटकेगा नहीं और आपको संतुष्टि भी मिलेगी।
- विद्यार्थियों को चाहिए कि पढ़ाई के दौरान बीच-बीच में ब्रेक लें। ब्रेक के समय पढ़ाई की चिंता छोड़कर हल्का-फुल्का कुछ खा-पी लें। घरवालों के साथ बातें और हंसी मजाक करते रहें। ऐसा करने से मूड बदलेगा और फिर से पढ़ाई करने में अधिक ध्यान लगेगा।

ये हैं सफलता के मंत्र

पढ़ाई में टॉपर बनना आपका सपना है तो इस सपने को आप मेहनत से हकीकत में बदल सकते हैं। इन सक्सेस मंत्रों को अपनाकर प्रतियोगी परीक्षा और एक्जाम में सफल हो सकते हैं।

कड़ी मेहनत- सफलता हासिल करने का पहला मंत्र है कड़ी मेहनत। मेहनत का कोई शॉर्टकट नहीं होता। यदि अपने पाठ्यक्रम की आवश्यकता के अनुसार कड़ी मेहनत करते हैं तो उसका फायदा मिलता ही है।

खुश रहें- किसी भी परीक्षा की तैयारी के दौरान नकारात्मक विचारों से दूर रखें। हमेशा पॉजीटिव थिंकिंग रखें। हमेशा खुश रहने की कोशिश करें।

फोकस बनाए रखें- बिना फोकस बनाकर कई घंटे पढ़ाई करने से अच्छा है कि कुछ घंटे ध्यान लगाकर पढ़ाई करें। कुछ देर ही सही पर मन को एकाग्र रखकर पढ़ाई करें।

सपनों को सच करने के लिए संघर्ष करें- हमेशा जीवन में बड़े सपने देखें और लागं टर्म गोल बनाएं। जब भी ऐसा लगे कि आप हार रहे हैं तो अपने सपनों को याद करें। खुद को यह अहसास दिलाएं कि सफने इतने कीमती हैं कि ऐसा संघर्ष उन सपनों के सामने कुछ भी नहीं है।

ऐसे मिलती है सफलता

अक्सर देखा जाता है कि युवा जब अपना सफल करियर नहीं बना पाते हैं तो इसका दोष वे दूसरों को देते हैं। अपनी नाकामियों का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने लगते हैं। यह याद रखिए अपनी नाकामी के जिम्मेदार आप खुद हैं।

वे अनेक बातों का रोना रहते हैं, जैसे हमारे माता-पिता के कम पढ़े-लिखे होने के कारण वे हमारा करियर में मागदर्शन नहीं कर सके। हम पढ़ने की सुविधाएं नहीं मिली। पढ़ाई के दौरान हमें घर के कामों में लगाए रखा। घर में ज्यादा सदस्य होने से घरवालों ने हमारी ओर ध्यान नहीं दिया।

ये ऐसी कुछ बातें हैं जो असफल युवा कहते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। अगर व्यक्ति कुछ करना चाहे और उसके हौसले बुलंद हों तो उसकी राह में कितनी भी मुसीबतें आएं वह सफल हो जाता है।

एक अंग्रेजी कहावत का हिन्दी अर्थ है- किसी एक विचार या लक्ष्य के प्रति समर्पण के कारण ही एक सामान्य योग्यता रखने वाला व्यक्ति असाधारण प्रतिभा से संपन्न व्यक्ति बनता है। कठिनाइयां हर किसी के जीवन में आती हैं बस उनका स्वरूप और उनसे लड़ने के तरीके अलग हो सकते हैं। उन कठिनाइयों को ढाल बनाकर अपनी नाकामी को उजागर न करें, बल्कि हर स्थिति से निकलना सीखें।

याद रखिए दुनिया भी उन्हीं को याद रखती है जो संघर्षों से निकलकर सफलता के शिखर पर पहुंचता है। नाकामियों को रोना छोड़कर चल पड़िए मंजिल की राह पर। मुश्किलें तो आएंगी। अपनी नाकामियों को सफलता की मंजिल पाने का पड़ाव मानिए।

हिटलर का प्रसिद्ध वाक्य है, जो बिना संघर्ष के जीतता है वह विजेता कहलाता है लेकिन जो संघर्षों का सामना करके जीतता है वह इतिहास बनाने वाला कहलाता है।

इन बातों जीवन में हमेशा रखें ध्यान-

- अगर आप किसी क्षेत्र में करियर बनाने में असफल हो गए हैं तो यह न सोचिए कि सिर्फ वही क्षेत्र आपके लिए बना था।
- आप दूसरे क्षेत्र में प्रयास कर सफलता को प्राप्त कर सकते हैं।
- पहाड़ी की चढ़ाई करते समय हमेशा ऊपर चढ़ने वालों को देखना चाहिए। नीचे वालों को देखेंगे तो हमें ऊंचाई से डर लगेगा।
- अपने आपको मोटिवेट कीजिए। सफलता की जो अनुभूति रहती है उसका मजा ही कुछ और है।
- जीत कुछ कर गुजरने में है, हारकर बैठने में नहीं। प्रयास से सफलता मिल ही जाती है।

फोटोग्राफी में रखें इन बातों का ध्यान

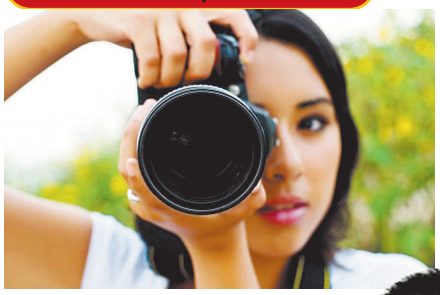

फैशन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले युवा इसे अपना पेशन मानते हैं। इस फील्ड में क्रिएटीविटी, टेक्निक, ट्रेनिंग, हार्डवर्क, ग्लैमर, एडवेंचर सबकुछ है। सही ट्रेनिंग और गाइडेंस से इस फील्ड में करियर बनाने का स्कोप बढ़ गया है। कई डिग्री होल्डर फोटोग्राफर्स भी फैशन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी की बारीकियां सीख रहे हैं।

करियर संभावनाएं- फैशन इंडस्ट्रीज, कार्पोरेट और इंडस्ट्रीयल सेक्टर के विकसित होने से इस फील्ड में संभावनाएं बढ़ गई हैं। फैशन इंडस्ट्री के फलने-फूलने के साथ ही फैशन फोटोग्राफी में ग्लैमर जुड़ चुका है। आज हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मैगजीन, विज्ञापन ब्रोशर प्रकाशित करती है। इनमें आकर्षक और स्टाइलिश फोटो की खास भूमिका होती है। इन सबके लिए फैशन फोटोग्राफर की बहुत जरूरत है। तकनीकी रूप से सक्षम होने पर इस क्षेत्र में भविष्य बहुत उज्जवल है।

शैक्षणिक योग्यता- फोटोग्राफी के लिए कम से कम ग्रेजुएशन होना जरूरी है। देशभर में कई इंस्टीट्यूट फोटोग्राफी में डिग्री या सर्टिफिकेट कोर्स करवाते हैं। एक सक्सेसफुल फोटोग्राफर बनने के लिए डीप स्टडी और अच्छे विजन का होना जरूरी है। अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, औरंगाबाद जैसे शहरों में संस्थानों द्वारा फोटोग्राफी का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाता है। इन संस्थानों में दो-तीन वर्षों के डिग्री कोर्स एवं ट्रेनिंग दी जाती है।

इन बातों का रखें ध्यान-

- फोटोग्राफर बनने के लिए किताबी कम और प्रेक्टिकल नॉलेज ज्यादा जरूरी है।
- अपने फील्ड की पूरी जानकारी, लेटेस्ट ट्रेंड पर नजर और आने वाले ट्रेंड की खबर होना जरूरी।
- फोटोग्राफी का बेसिक नॉलेज के लिए किसी प्रतिष्ठित इंस्टीट्यूट से ट्रेनिंग लें।
- ट्रेनिंग के बाद सबसे ज्यादा जरूरी है विजन।
- इस फील्ड में बहुत ज्यादा पेशन रखने की जरूरत है। यह फील्ड पेशन, कॉन्फिडेंस और हार्ड वर्क मांगता है।
- फोटोग्राफी में सक्सेस धीरे-धीरे ही मिलती है।

फोटोग्राफी के टॉप इंस्टीट्यूट

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद।
- सर जेजे स्कूल ऑफ एप्लाइड आर्ट, मुंबई।
- जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद।

कैसे सामना करें इंटरव्यू का

इंटरव्यू का नाम आते ही दिल में एक डर पैदा होने लगता है। इंटरव्यू के लिए आपको हर तरह से तैयार रहना पड़ता है। इंटरव्यू से पहले कई अनजाने सवाल सताने लगते हैं।

कहते हैं कि खेल बिग्निंग इज हाफ डन अगर आपने इंटरव्यू में शुरू से ही अपना विश्वास बनाए रखा और इंटरव्यू पेनल के शुरुआती सवालों का प्रभावशाली अंदाज में जवाब दे दिया तो मान लें कि आपकी सफलता की संभावनाएं प्रबल हैं।

इंटरव्यू में जाने से पहले नीचे दिए गए टिप्स पर गौर करें। ये टिप्स आपके लिए बड़े मददगार साबित होंगे। टिप्स पढ़ने के बाद आप पाएंगे कि आपका आत्मविश्वास बढ़ गया है।

1. कहा जाता है कि पहला इंप्रेशन ही आखिरी इंप्रेशन होता है। इसलिए मेंटल लेवल पर तैयारी के साथ-साथ आप यह न भूल जाएं कि इंटरव्यू में आपकी बौद्धिक क्षमता के अलावा आपकी बॉडी लेंग्वेज को भी परखा जाएगा। वेल ड्रेस्ड होकर ही इंटरव्यू में जाएं क्योंकि इससे आप आत्मविश्वास से भर जाएंगे।
2. अपने साथ जरूरी कागजात जरूर ले जाएं। मसलन अपने सर्टिफिकेट, एकेडमिक एचीवमेंट और बायोडाटा जो आपने इंटरव्यू से पहले भेजा था, उसकी एक प्रति अवश्य ले जाएं।
3. अपने कागजात इंटरव्यू में तभी प्रस्तुत करें, जब आप से मांगें जाएं।
4. इंटरव्यू में लेट न हों। कम से कम पंद्रह मिनट पहले पहुंचने की कोशिश करें।
5. यदि किसी कारण न चाहते हुए भी इंटरव्यू में लेट हो जाएं तो उसके लिए सबसे पहले क्षमा मांगें और देर से आने के कारण का उल्लेख करें।
6. इंटरव्यू कक्ष में पहुंचते ही इंटरव्यू पैनल के सदस्यों का अभिवादन जरूर करें।
7. इंटरव्यू पैनल के हर सवाल को ध्यान से सुनें और यदि किसी सवाल को सुनने में कोई शक हो तो निम्रतापूर्वक उसे दोहराने के लिए कहें।
8. सवालों के जवाब विश्वास के साथ और संक्षेप में दें जब तक कि विस्तृत जानकारी देने के लिए न कहा जाए।
9. जिस संस्थान में इंटरव्यू के लिए जा रहे हैं, उसके बारे में मोटी जानकारी पहले ही जुटा लें।
10. जब आपसे पूछा जाए कि इस पद के लिए आपकी एक्सपेक्टेशन क्या है तो इसका जवाब चतुराई से दें। सीधे ही कोई फिगर बताने से बेहतर होगा कि आप कहें कि एस पर द मार्केट स्टेंडर्ड। इंटरव्यू पैनल के दोबारा पूछने पर आप अपने मुताबिक कोई फिगर बता सकते हैं।
11. इंटरव्यू के दौरान इंटरव्यू पैनल से आई कॉन्टेक्ट कायम रखें।
12. अगर किसी विषय में जानकारी नहीं है तो उसे स्वीकार कर लें।
13. कभी झूठ न बोलें। अगर इंटरव्यू पैनल ने आपका झूठ पकड़ लिया तो आपकी सारी इंप्रेशन खराब हो जाएगी।

करिश्मा की वजह से मेरी फिल्मों में राह आसान हुई थी

करीना कपूर ने कपूर खानदान की महिलाओं के फिल्मों में काम करने के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि उनकी बहन करिश्मा कपूर ने 90 के दशक में कपूर परिवार के नाम को पुनर्जीवित किया था। करीना के मुताबिक, करिश्मा ने हिम्मत दिखाई और उन्हीं की वजह से कपूर खानदान की महिलाएं दोबारा फिल्मों में काम कर पाईं। दरअसल, ऐसा माना जाता है कि राज कपूर ये नहीं चाहते थे कि उनके खानदान की महिलाएं फिल्मों में काम करें। इसी वजह से शादी के बाद बबीता और नीतू कपूर ने भी कपूर खानदान की बहू बनने के बाद फिल्में छोड़ दी थीं। करीना ने कहा कि जब करिश्मा ने फिल्मों में काम करने की इच्छा जताई तो कई फैमिली मेंबर्स ने उनका सपोर्ट किया। खासकर मां बबीता ने उनसे कहा कि मैं चाहती हूं कि तुम जो करना चाहती हो, वो काम करो। पापा रणधीर कपूर जो हमेशा ये सोचते थे कि लोग क्या सोचेंगे, उन्होंने भी उस वक्त करिश्मा को सपोर्ट करते हुए कहा कि अगर तुम फिल्मों में काम करना चाहती हो तो करो लेकिन तुम्हें अपने आप मौके तलाशने होंगे क्योंकि मैं तुम्हारी किसी भी तरह से मदद नहीं करूंगा।

करीना ने आगे कहा, पापा ने करिश्मा को साफ कह दिया था कि कपूर खानदान से होने का मतलब ये नहीं है कि उन्हें फिल्मों में सक्सेस मिल जाएगी और तुम बड़ी स्टार बन जाओगी। तुम अपने दम पर मौके पाओ और आगे बढ़ो।

करिश्मा को कपूर खानदान की पहली महिला स्टार कहा

करीना ने आगे करिश्मा की तारीफ करते हुए उन्हें कपूर फैमिली की पहली फीमेल स्टार बताया। उन्होंने कहा, दादा जी (राज कपूर) का निधन हो चुका था, पापा (रणधीर कपूर) ने केवल एक फिल्म बनाई थी हिना, चिंटू अंकल (ऋषि कपूर) बड़े स्टार थे लेकिन उनके अलावा 90 के दशक में कोई इतना एक्टिव नहीं था, तो करिश्मा ही कपूर फैमिली की पहली बड़ी फीमेल स्टार और सेंसेशन थीं। सही मायनों में उन्होंने ही कपूर फैमिली को फिल्मों में पुनर्जीवित किया था। करीना ने ये भी कहा कि करिश्मा के फिल्मों में काम करने के बाद उनका फिल्मों में जगह बनाना आसान हो गया था क्योंकि सब करिश्मा की बहन को फिल्मों में देखना चाहते थे।'

लड़कियों को हर कोई राय देता है, अपने रूल खुद बनाने की जरूरत

श्वेता त्रिपाठी उन हीरोइनों में से हैं, जिन्होंने हमेशा से दमदार भूमिकाएं कीं। चाहे वो मसान हो, हरामखोर हो या फिर गौन केस। मगर इंडस्ट्री की इस क्यूट एक्ट्रेस का ट्रांसफॉर्मेशन हुआ मिर्जापुर की लेडी डॉन गोलू के रूप में। सीरीज के तीसरे सीजन तक आते-आते श्वेता काफी चर्चित हो चली हैं। हाल ही नवभारत टाइम्स संग खास बातचीत में श्वेता त्रिपाठी ने निजी जिंदगी, करियर के सफर के बारे में बात की। साथ ही एक मजबूत महिला होने के मायने बयान किए।

आज ओटीटी ही नहीं फिल्मों में भी औरतों की सेक्शुअलिटी पर खुल कर बातें हो रही हैं। इस बदलाव को कैसे देखती हैं?

आज तक हमारी इच्छाओं की बात ही नहीं हुई है। चाहे वो हमारे पॉलिटिकल डिजायर्स हों, सेक्शुअल हों या फिर पढ़ने-लिखने की इच्छाएं। हमें तो बस हांका गया है, मगर अब यह बदल रहा है और इसका श्रेय हमारी पिछली पीढ़ी को जाता है, जो ये परिवर्तन लाए हैं, हमारे लेखक और निर्देशकों को भी जाता है। अब जैसे हमारे निर्देशक गुरमीत सिंह ने ही तो इतनी मजबूत औरतों को रचा है। हमें इनका अहसानमंद होना होगा। इन्हीं का ही क्यों? हमारे पति, जैसे मेरे पति चीता (चैतन्य) या रसिका (रसिका दुग्गल) के पति मुकुल (एक्टर मुकुल चड्ढा)। हम ऐसे मर्दों के बीच में हैं, जो प्रतिभावान हैं और साथ ही सोच प्रेरक भी।

एक लड़की होने के नाते आप अपनी जिंदगी के कौन-से अहम फैसले ले पाई हैं?

मुझे एक्टिंग के फील्ड में आना था, मैं आई। बावजूद इसके कि मैं यहां किसी को जानती नहीं थी। कई बार मुझे लोग सलाह देते हैं कि इस तरह का काम करो, ऐसे कपड़े पहनो। अपने दिल की बात सुनना भी एक लड़की की बड़ी जीत होती है। ये आपको करना चाहिए, क्योंकि दुनिया और समाज आपके पास सलाह-मशवरे का एक भंडार लगा देता है। सब आपको बता रहे हैं कि आपको ब्रीम कौन-सी लगानी चाहिए? शादी किस उम्र में करनी चाहिए? शादी में कौन-सा कलर आप पर सूट करेगा? जब मेरी शादी नहीं हुई थी, तो मुझसे लगातार पूछा जाता था कि शादी कब कर रही हो? और जब मैंने शादी कर ली, तो कहा जाने लगा कि इतनी जल्दी शादी क्यों की? तो समाज आपको अपनी राय देता जाएगा, मगर आपको अपने लिए खुद के नियम बनाने होंगे। मैं मात्र 6 साल की थी, जब मुझे एक्टिंग करनी थी और मैं अपनी उस इच्छा को पूरा कर पाई, तो वो मेरे लिए सबसे बड़ी जीत है।

आपकी सीरीज मिर्जापुर पर लगातार हिंसा और गाली-गलौज को ग्लोरिफाई करने के आरोप लगते रहे हैं?

आरोप लगाना बहुत आसान है। लोगों को इसमें सिर्फ हिंसा या गालियां ही क्यों दिखती हैं? हमारे सीरीज की हर महिला दमदार है, चाहे वो सीएम माधुरी हो, बीना भाभी हों अथवा जरीना। क्या कोई मेंटल हेल्थ पर बातें करता है, जो इसमें होती हैं? सीरीज में कई लेयर्स हैं। कई मुद्दे हैं। हां हिंसा इसका एक हिस्सा है, क्योंकि वो दुनिया ही मिर्जापुर की है।

मिर्जापुर की गोलू की भूमिका प्रतिशोध, हिंसा और बेरहमी से भरी है। इस जटिल किरदार को जीते हुए क्या कहीं आपकी निजी जिंदगी प्रभावित हुई?

हां, सीजन टू और फिर सीजन 3 के बाद भी हुआ। मैं हमेशा से अपने किरदार के इमोशनल सुर को पकड़ती हूं। मेरा गोलू का किरदार पहले सीजन में रसमुले की तरह थी, मगर तीसरे सीजन तक आते-आते वो प्रतिशोध से भर गई। गोलू के किरदार में प्रवेश करने के लिए मैंने बहुत कुछ किया। फिर एक समय ऐसा आया, जब मुझे लगा कि मैं हैंडल नहीं कर पा रही हूं, मुझ पर गोलू का कुछ ज्यादा ही असर हो रहा है, तब मुझे थैरेपिस्ट से मिलना पड़ा।

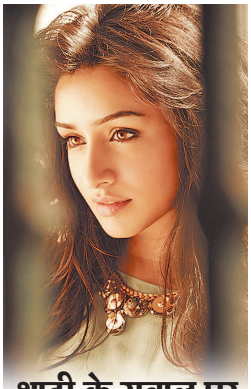

शादी के सवाल पर श्रद्धा कपूर बोलीं

श्रद्धा कपूर ने जब से राहुल मोदी के साथ अपने रिलेशनशिप को कन्फर्म किया है, तब उनकी शादी की चर्चा हो रही है। श्रद्धा से अक्सर शादी को लेकर सवाल भी किया जाता है। फिल्म 'स्त्री 2' के ट्रेलर लांच के दौरान जब एक्ट्रेस से शादी से जुड़ा सवाल पूछा गया तो इसका जवाब उन्होंने फिल्मी अंदाज में दिया। उन्होंने कहा- वह स्त्री है, उसे जब दुल्हन बनना है वो बनेगी। बता दें कि श्रद्धा कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म स्त्री 2, 15 अगस्त को रिलीज होगी। यह फिल्म स्त्री की सीक्वल है। इस फिल्म को लेकर श्रद्धा कपूर काफी एक्साइटेड है। पिछले कुछ समय से श्रद्धा कपूर स्क्रिप्ट राइटर राहुल मोदी को डेट कर रही हैं। पिछले महीने श्रद्धा ने इंस्टाग्राम पर राहुल मोदी के साथ अपने रिश्ते को आधिकारिक तौर पर जाहिर किया था। उन्होंने राहुल के साथ एक सेल्फी पोस्ट की और एक मजेदार कैप्शन भी लिखा था। उन्होंने लिखा था- दिल रख ले, नींद तो वापस दे दे यार। श्रद्धा ने इस पोस्ट के साथ बैकग्राउंड में फिल्म इश्क का गाना नींद चुराई मेरी भी इस्तेमाल किया था।

दो साल से सिंगल हूं और किसी को भी डेट नहीं कर रही हूं

पूर्व मिस यूनिवर्स और अभिनेत्री सुष्मिता सेन काम के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोरती हैं। ऐसी अफवाह है कि अभिनेत्री का अपने पूर्व प्रेमी रोहमन शॉल के साथ पैचअप हो गया है। हालांकि, इसी बीच सुष्मिता ने रिया चक्रवर्ती के पॉडकास्ट में दिए अपने बयान से प्रशंसकों का दिल तोड़ दिया है। सुष्मिता ने खुलासा किया है कि वह दो साल से सिंगल हैं और किसी को भी डेट नहीं कर रही हैं। अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती के पॉडकास्ट के पहले एपिसोड में सुष्मिता ने खुलासा किया कि वह वास्तव में सिंगल हैं। उन्होंने यह साझा किया कि उनके बहुत अच्छे दोस्त हैं, लेकिन वह फिलहाल किसी को डेट नहीं कर रही हैं। सुष्मिता ने कहा, मेरे जीवन में कोई पुरुष नहीं है। मैं कुछ समय से अकेली हूं। लगभग दो साल हो गए हैं जब से मैं सिंगल हूं, सटीक रूप से कहूं तो 2021 से... मैं किसी रिलेशनशिप में नहीं हूं। सुष्मिता रोहमन के साथ रिलेशनशिप में थीं। दिसंबर 2021 में उन्होंने उनसे अलग होने की घोषणा की। हालांकि, उन्हें कई इवेंट्स में एक साथ देखा जाता है। उन्होंने कहा था, हमने दोस्त के रूप में शुरुआत की थी, हम दोस्त बने रहेंगे। रिश्ता काफी समय पहले खत्म हो चुका था... प्यार बना हुआ है।

25 जुलाई से आदित्य धर की अगली फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे रणवीर

बॉलीवुड में उरी द सर्जिकल स्ट्राइक और आर्टिकल 370 जैसी फिल्में बनाने वाले आदित्य धर अब अपनी अगली फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि आदित्य धर की अगली फिल्म में रणवीर सिंह नजर आने वाले हैं। यह एक स्पाई थ्रिलर फिल्म होगी। फिलहाल इस फिल्म की शूटिंग को लेकर अपडेट सामने आया है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की शूटिंग इसी महीने शुरू होगी। कहा जा रहा है कि आदित्य धर और रणवीर सिंह 25 जुलाई से थाइलैंड में फिल्म पर काम शुरू करने जा रहे हैं। इसके अलावा फिल्म से कुछ अन्य सितारों के जुड़ने की भी चर्चा है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि फिल्म का पहला शेड्यूल एक इंटेल नेटवर्क के भीतर बातचीत पर केंद्रित होगा। इसके अलावा रणवीर सिंह के अलावा इस फिल्म में संजय दत्त, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल और आर माधवन के नाम जुड़ने की भी चर्चा है।

खलनायक के रोल में दिखेंगे संजय दत्त

आदित्य धर की अगली फिल्म में काम करने के लिए रणवीर सिंह उत्साहित हैं। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि इस फिल्म में संजय दत्त खलनायक की भूमिका निभाएंगे, जबकि रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, आर माधवन और अर्जुन रामपाल भारतीय खुफिया तंत्र का हिस्सा होंगे। सभी के लुक टेस्ट पूरे हो चुके हैं। इस फिल्म की शूटिंग छह महीने की अवधि में पूरी किए जाने की योजना है। फिल्म से जुड़े आधिकारिक एलान जल्द होंगे।

गुलशन देवैया के साथ नहीं बैठा था जान्हवी का तालमेल, फिर ऐसे पूरी हुई 'उलझ' की शूटिंग

जान्हवी कपूर अपनी आगामी फिल्म उलझ की रिलीज के लिए तैयार हैं, जिसमें उनके साथ गुलशन देवैया, राजेश तैलंग और रोशन मैथ्यू जैसे कलाकार अभिनय कर रहे हैं। फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद प्रशंसक इसके रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच जान्हवी कपूर के को-स्टार गुलशन देवैया ने सेट पर उनके साथ तालमेल न बैठाने के बारे में चौंकाने वाला खुलासा किया है। एक साक्षात्कार में अभिनेता ने जान्हवी कपूर के साथ अपने तालमेल को लेकर बातचीत की। देवैया ने कहा, 'हम उस तरह से तालमेल नहीं बैठाते कि बैठ गए और बातें की। सच में हम इस तरह की वाइब साझा नहीं करते।' गुलशन की इस बात पर जान्हवी हंसने लगीं और कहा, 'यह आपकी अब तक की सबसे मजेदार बात है।' अभिनेता ने आगे कहा कि शुरू में उन्हें एक-दूसरे से जुड़ाव की कमी महसूस हुई। हालांकि, उन्हें साथ में करने के लिए कुछ दिलचस्प नहीं मिला, लेकिन उन्हें नहीं लगा कि इससे उनके सीन को प्रभावी ढंग से करने की क्षमता प्रभावित हुई।

'उलझ' एक जासूसी थ्रिलर फिल्म है जो एक युवा आईएफएस अधिकारी की कहानी है। वह घर से दूर एक महत्वपूर्ण पद पर काम करते हुए खुद को एक खतरनाक साजिश में फंसी हुई पाती है। सुधांशु सरिया द्वारा निर्देशित 'उलझ' में जान्हवी कपूर, रोशन मैथ्यू और गुलशन देवैया के साथ राजेंद्र गुप्ता, राजेश तैलंग, आदिल हुसैन, मेयांग चांग और जितेंद्र जोशी प्रमुख भूमिका में हैं। यह थ्रिलर फिल्म दो अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

मुंज्या निर्देशक की अगली फिल्म में नजर आएंगे राजीव खंडेलवाल

आदित्य सरपोतदार का सीजन आ गया है। पिछले महीने उन्होंने अपनी हॉरर कॉमेडी मुंज्या से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। पिछले हफ्ते उन्होंने इसी जॉनर की एक और फिल्म ककुड़ा को ओटीटी पर पेश किया था। और अब, यह पता चला है कि उन्होंने अपनी अगली फिल्म पर काम शुरू कर दिया है और इसमें राजीव खंडेलवाल मुख्य भूमिका में हैं। बातचीत के दौरान, डैशिंग एक्टर ने खुलासा किया कि उन्हें प्रतिभाशाली फिल्म निर्माता की वेब सीरीज़ मिल गई है, जिसका प्रीमियर डिज्नी+ हॉटस्टार पर होगा। यह फिलहाल बिना शीर्षक वाली है और मराठी उपन्यास प्रतिपशचंद्र का रूपांतरण है। राजीव खंडेलवाल ने इस इंटरव्यू में आदित्य सरपोतदार के साथ काम करने को लेकर अपनी उत्सुकता साझा की, ऐसे लोग हैं जो स्क्रीन पर आपका दूसरा पक्ष लाना चाहते हैं। आदित्य उनमें से एक हैं। इस सीरीज़ में, वह हमसे ज्यादा परफॉर्म करेंगे क्योंकि यह सब कहानी कहने के बारे में है। मैं उनसे कहता रहता हूँ, तुम्हारे पास मुंज्या और काकुड़ा था। अब, इसे मुंज्या जितना बड़ा बनाओ। जून में एक अन्य साक्षात्कार में राजीव खंडेलवाल ने शो के बारे में अधिक जानकारी साझा की, यह एक बहुत ही दिलचस्प सीरीज है। मैं इसके सबसे नजदीकी समानांतर इंडियाना जोन्स के बारे में सोच सकता हूँ।

बीसीसीसीआई सचिव जय शाह पर भड़का पूर्व पाक क्रिकेट

–अन्य क्रिकेट बोर्डों पर दबाव डालने का आरोप लगाया

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि उनकी बातों को कुछ देशों के क्रिकेट बोर्ड बिना सोचे समझे मान लेते हैं। बासित ने कहा कि जय शाह अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार अन्य क्रिकेट बोर्डों पर दबाव डालते हैं क्योंकि भारतीय बोर्ड काफी धनी है और कोई भी उसके खिलाफ नहीं जाना चाहता। उन्होंने कहा कि इसी कारण बीसीसीआई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आने से इंकार कर तटस्थ स्थल पर खेलने की मांग कर रहा है। चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन अगले साल में फरवरी-मार्च में होना है।

बीसीसीआई ने आईसीसी से भारत के मैचों को किसी तटस्थ स्थल पर रखे जाने की मांग की है।यह कदम इसलिए उठाया जा रहा है क्योंकि भारत सरकार टीम को पाकिस्तान यात्रा के लिए मंजूरी शायद ही दे। बीसीसीआई के रुख से निराश बासित ने इसको लेकर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा, 5-6 बोर्ड हैं, वे जय शाह की कही गई बातों को आसानी से मान लेंगे। अगर वह कहते हैं कि चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान में होगी, तो वे सहमत होंगे। अगर वह कहते हैं कि यह एक हाइब्रिड मॉडल होगा, तो वे उस पर भी सहमत होंगे। साथ ही कहा कि शाह ने आईपीएल में खिलाड़ियों की भागीदारी के लिए पर्याप्त रकम देकर कई प्रमुख क्रिकेट बोर्डों का समर्थन हासिल किया है।

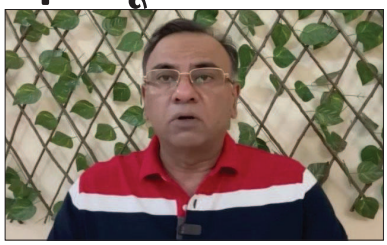

बासित ने कहा, अन्य देशों के खिलाड़ी भारत में आईपीएल खेलते हैं, तो बीसीसीआई बड़ी रकम का भुगतान करता है। चाहे वह इंग्लैड, न्यूजीलैंड ऑस्ट्रेलिया या किसी अन्य देश के क्रिकेटर हो।

केंद्रीय बजट में खेलो इंडिया के लिए 900 करोड़ रुपए आवंटित

मुम्बई (एजेंसी)। नई दिल्ली – जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रमुख परियोजना खेलो इंडिया को एक बार फिर खेल मंत्रालय के लिए केंद्रीय बजट में सबसे अधिक राशि आवंटित हुई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन द्वारा मंगलवार को पेश केंद्रीय बजट में खेल मंत्रालय के लिए 3,442.32 करोड़ रुपए में से खेलो इंडिया के लिए 900 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। यह रकम पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 880 करोड़ रुपए के संशोधित आवंटन से 20 करोड़ रुपए अधिक है।

इस साल अगस्त में पेरिस ओलंपिक चक्र समाप्त होने वाला है और राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों अभी भी दो साल का समय है। ऐसे में खेल मंत्रालय के बजट में पिछले चक्र की तुलना में केवल 45.36 करोड़ रुपए की मामूली वृद्धि की गई है। खेल मंत्रालय के लिए पिछले वित्तीय वर्ष के लिए पिछले चक्र का बजट 3,396.96 करोड़ रुपए था। सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में खेलो इंडिया में भारी निवेश किया है क्योंकि यह कार्यक्रम देश के सभी हिस्सों से प्रतिभाओं को सामने लाने का काम करता है।

वित्तीय वर्ष 2022-23 में खेलो इंडिया का वास्तविक आवंटन 596.39 करोड़ रुपए था। अगले साल (2023-24) के बजट में लगभग 400 करोड़ रुपए से अधिक बढ़ाकर 1,000 करोड़ रुपए कर दिया गया था। इसे हालांकि संशोधित कर 880 करोड़ रुपए किया गया था। खेलो इंडिया युवा खेलों 2018 (केआईवाईजी) की शुरुआत के बाद से सरकार ने इसमें और खेल आयोजनों को जोड़ना जारी रखा है।

मंत्रालय ने उसी वर्ष खेलो इंडिया शीतकालीन खेल और 2023 में खेलो इंडिया पैरा खेलों शुरू करने के साथ 2020 में खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेलों की शुरुआत की। देश भर में सैकड़ों खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र (केआईएससीई) स्थापित किए गए हैं, जिनका उद्देश्य प्रतिभाशाली उदीयमान खिलाड़ियों को सुविधाएं प्रदान करना है। खेलो इंडिया के कई एथलीट वर्तमान में भारतीय ओलंपिक दल में शामिल हैं। राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को सरकार की सहायता में भी 15 करोड़ रुपए की वृद्धि की गई है।

यह 2023-24 में 325 करोड़ रुपए से बढ़कर नवीनतम बजट में 340 करोड़ रुपए हो गई है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) का बजट भी 795.77 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 822.60 करोड़ रुपए कर दिया गया है। इसमें 26.83 करोड़ रुपए का उछाल है। साइ देश भर में अपने स्टेडियमों के रख रखाव अलावा वैश्विक खेल प्रतियोगिताओं के लिए खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) का प्रबंधन भी करता है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) और राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) को बजट में मामूली वृद्धि मिली है। नाडा और एनडीटीएल का काम खिलाड़ियों की डोपिंग जांच करना है। नाडा के बजट को 21.73 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 22.30 करोड़ रुपए कर दिया गया है जबकि एनडीटीएल के बजट को 19.50 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 22 करोड़ कर दिया गया है।

पाकिस्तान ने यूएई को 10 विकेट से रौंदा, मजबूत किया सेमीफाइनल का दावा

दाम्बुला (एजेंसी)। बाएं हाथ की स्पिनर सादिया इकबाल की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बाद सलामी बल्लेबाज गुल फिरोजा के नाबाद अर्धशतक से पाकिस्तान ने महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप ए में यूएई को 10 विकेट से रौंदकर सेमीफाइनल में जगह बनाने की ओर मजबूत कदम बढ़ाए।

यूएई के 104 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुल की 55 गेंद में आठ चौकों से नाबाद 62 रन की पारी और मुनीबा अली (नाबाद 37) के साथ उनकी पहले विकेट की अटूट शतकीय साझेदारी से पाकिस्तान ने 14.1 ओवर में बिना विकेट खोए 107 रन बनाकर बेहद आसान जीत दर्ज की। यूएई की टीम इससे पहले सादिया (11 रन पर दो विकेट), तुबा हसन (17 रन पर दो विकेट) और नासरा संधू (22 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने आठ विकेट पर 103 रन ही बना सकी।

यूएई की ओर से सलामी बल्लेबाज तीर्था सतीश ने 36 गेंद में पांच चौकों की मदद से सर्वाधिक 40 रन बनाए। उनके अलावा सलामी बल्लेबाज और कप्तान ईशा ओझा (16) और खुशी शर्मा (12) ही दोहरे अंक तक पहुंच पाए। इस जीत से पाकिस्तान के तीन मैच में दो जीत से चार अंक हो गए हैं और टीम का सेमीफाइनल में जगह बनाने का दावा मजबूत हो गया है। यूएई की टीम तीनों मैच हारकर बाहर हो चुकी है। शाम को दूसरा मैच गत चैंपियन भारत और नेपाल के बीच होगा। भारत दो मैच में दो जीत से चार अंक के साथ शीर्ष पर है जबकि नेपाल दो अंक के साथ तीसरे स्थान पर है।

महिला टी20 रैंकिंग : हरमनप्रीत, शेफाली संयुक्त 11वें स्थान पर, मंधाना पांचवें स्थान पर

दुबई (एजेंसी)। भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना ने आईसीसी टी20 महिला क्रिकेट रैंकिंग में पांचवां स्थान बनाये रखा है जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर और शेफाली वर्मा संयुक्त 11वें स्थान पर हैं। हरमनप्रीत को एक पायदान का फायदा मिला जबकि शेफाली बल्लेबाजों की सूची में चार पायदान ऊपर आ गई। शीर्ष 20 में भारत के चार खिलाड़ी हैं। जेमिमा रौड्रिग्स 19वें स्थान पर हैं। रिचा घोष 24वें स्थान पर है। बेथ मूनी 769 अंक लेकर शीर्ष पर है। गेंदबाजों की सूची में आफ स्पिनर दीप्ति शर्मा तीसरे स्थान पर है जबकि तेज गेंदबाज रेणुका सिंह नौवे स्थान पर है। बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव 20वें स्थान पर है। इंग्लैंड की सोफी एस्सेलेटोन शीर्ष पर हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम श्रीलंका पहुंची, गर्मजोशी से हुआ स्वागत

पाल्लेकल (एजेंसी)। नए मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ भारतीय पुरूष क्रिकेट टीम कोलंबो के रास्ते यहां पहुंच गई जिसका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। पंद्रह सदस्यीय भारतीय टीम सहयोगी स्टाफ के साथ सोमवार को मुंबई से रवाना हुई। इससे पहले गंभीर और चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर ने मीडिया को संबोधित किया था।

कोलंबो में कुछ देर रूकने के बाद टीम सीधे पाल्लेकल पहुंच गई। भारत को श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 और वनडे श्रृंखला खेलनी है। पहला टी20 मैच 27 जुलाई को खेला जाएगा जबकि बाकी दो 28 और 30 जुलाई को होंगे।

भारतीय टीम दो, चार और सात अगस्त को तीन वनडे खेलेगी। बीसीसीआई ने एक्स पर लिखा, 'मुंबई से कोलंबो के रास्ते पाल्लेकल। टीम इंडिया श्रीलंका पहुंची।'

भारतीय टीम

टी20 टीम – सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, रिंकू सिंह, रियान पराग, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई , अर्शदीप सिंह, खलील अहमद, मो. सिराज।

वनडे टीम – रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, मोहम्मद। सिराज, वाशिंगटन सुदंर, अर्शदीप सिंह, रियान पराग, अक्षर पटेल, खलील अहमद, हर्षित राणा।

राजस्थान रॉयल्स के कोच बन सकते हैं द्रविड़

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ अब किस आईपीएल टीम से जुड़ते हैं। इसको लेकर अटकलें लगायी जा रही हैं। द्रविड़ का भारतीय टीम के कोच के तौर पर कार्यकाल विश्वकप के साथ ही समाप्त हो गया था। पहले माना जा रहा था था कि वह आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से जुड़ सकते हैं पर अब कहा जा रहा है कि वह राजस्थान रॉयल्स से जुड़ेंगे। गौतम गंभीर के भारतीय टीम का कोच बन जाने के बाद कहा जा रहा था कि द्रविड़ केकेआर टीम के नये कोच बनेंगे पर ये बात गलत निकली। अब कहा जा रहा है कि द्रविड़ राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच बनेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार, द्रविड़ की आरआर में वापसी की संभावना है और इस बारे में उनकी टीम से बात चल रही है। इस संबंध में घोषणा जल्द ही होगी। द्रविड़ का रॉयल्स के साथ लंबा रिश्ता रहा है। वह आरआर के कप्तान भी रहे हैं। उनकी कप्तानी में फ्रेंचाइजी साल 2013 में चैंपियंस लीग टी20 फाइनल और आईपीएल प्लेऑफ तक पहुंची थी। उन्होंने इसके अलावा, 2014 और 2015 में मेंटॉर की भूमिका निभाई थी और टीम तीसरे स्थान पर रही थी। अभी ये पता नहीं चला है कि अगर द्रविड़ राजस्थान से जुड़ते हैं तो फ्रेंचाइजी कुमार संगाकारा को क्रिकेट निदेशक के बनाये रखेगी या नहीं। संगाकारा साल 2021 से ही रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक हैं पर अगर द्रविड़ आते हैं तो टीम को संगकारा की जरुरत नहीं रहेगी। द्रविड़ ने टी20 विश्व कप शुरू होने से पहले ही साफ कर दिया था कि वह फिर से मुख्य कोच पद के लिए आवेदन नहीं करेंगे। इसका कारण है कि अब वह परिवार के साथ भी समय बिताना चाहते हैं।

भारत गुरुवार से करेगा ओलंपिक की शुरुआत, 16 खेलों में भाग लेगें खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय दल 25 जुलाई से पेरिस ओलंपिक की अपनी यात्रा शुरू करेगा जिसमें 112 एथलीट 16 खेलों में 69 पदक स्पर्धाओं में भाग लेंगे। नीरज चोपड़ा की अगुआई में 29 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम ओलंपिक के लिए फ्रांस जाने वाले दल के एक बड़े हिस्से का प्रतिनिधित्व करेगी। 21 सदस्यीय निशानेबाजी दल भी होगा जो पेरिस 2024 में किसी भी खेल के लिए भारत द्वारा भेजा गया दूसरा सबसे बड़ा दल होगा। ओलंपिक की वेबसाइट के अनुसार यह भारत द्वारा अपने ओलंपिक इतिहास में भेजा गया सबसे बड़ा निशानेबाजी दल है। इससे पहले टोक्यो 2020 ओलंपिक के दौरान 15 सदस्यीय निशानेबाजी दल भेजा गया था।

तिरंगा फहराने के लिए पेरिस में प्रतिस्पर्धा करने वाले तीरंदाजों में दीपिका कुमारी और तरुणदीप राय जैसे सितारे शामिल हैं। वे 25 जुलाई को व्यक्तिगत रैंकिंग राउंड में प्रतिस्पर्धा करेंगे और अगले दिन होने वाले उद्घाटन समारोह से पहले एक्शन में आने वाले पहले भारतीय होंगे। भारत को 27 जुलाई को शैटॉरौक्स में राष्ट्रीय शूटिंग केंद्र में होने वाले मिश्रित टीम एयर राइफल पदक मैचों के दौरान पदक जीतने का पहला मौका मिलेगा। इस स्पर्धा में दो भारतीय टीमें, संदीप सिंह/एलावेनिल वलारिवन और अर्जुन बाबूता/रमिता जिंदल प्रतिस्पर्धा करेंगी। मनु भाकर दो व्यक्तिगत पिस्टल स्पर्धाओं और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम प्रतियोगिता में भी प्रतिस्पर्धा करेंगी।

शो के स्टार मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अगस्त के दौरान एक्शन में होंगे। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा के लिए क्वालीफायर 6 जुलाई को होंगे और फाइनल दो दिन बाद होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु 27 जुलाई से 5 अगस्त तक होने वाली बैडमिंटन स्पर्धाओं के दौरान पदकों की हैट्रिक बनाने का लक्ष्य रखेंगी।

टोक्यो 2020 की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू 7 अगस्त को होने वाली महिलाओं की 49 किलोग्राम वर्ग की प्रतियोगिता में भाग लेंगी। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक हासिल करने वाली लवलीना बोरगोहेन 27 जुलाई से शुरू होकर 10 अगस्त को समाप्त होने वाली मुक्केबाजी स्पर्धाओं के दौरान एक्शन में होंगी। इस दौरान दो बार की विश्व चैंपियन निखत जरीन टीम इंडिया के लिए पदक की बड़ी संभावना के रूप में अपना ओलंपिक पदार्पण करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

पेरिस 2024 के दौरान भारत तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, घुड़सवारी, गोल्फ, हॉकी, जूडो, रोइंग, नौकायन, शूटिंग, तैराकी, टेबल टेनिस और टेनिस में प्रतिस्पर्धा करेगा। ओलंपिक का समापन 11 अगस्त को होगा। भारत 2020 टोक्यो ओलंपिक के अपने सात पदकों की संख्या को पार करने की कोशिश करेगा, जिसमें एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं।

ओलंपिक रजत पदक विजेता वोंड्रोसोवा और हुरकाज ने पेरिस ओलंपिक से वापस लिया नाम

पेरिस – तोक्यो ओलंपिक टेनिस रजत पदक विजेता मरकेटा वोंड्रोसोवा ने हाथ की चोट के कारण पेरिस ओलंपिक से नाम वापस ले लिया। पोलैंड के हुबर्ट हुरकाज ने भी घुटने की चोट से कारण नाम वापस लेने का फैसला किया है। पिछले साल विम्बलडन जीतने वाली चेक गणराज्य की वोंड्रोसोवा इस महीने विम्बलडन से पहले दौर में बाहर हो गई थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर ओलंपिक से हटने की जानकारी देते हुए कहा कि उनका फोकस अगस्त में होने वाले अमेरिकी ओपन पर है। ओलंपिक में टेनिस स्पर्धा के ड्रॉ बृहस्पतिवार को निकाले जाएंगे जबकि मैच शनिवार से शुरू होंगे।

बोपन्ना ने अपने जोड़ीदार बालाजी की प्रशंसा करते हुए उसे आक्रामक खिलाड़ी बताया

नई दिल्ली । 43 साल की उम्र में पेरिस ओलंपिक में खेलने जा रहे भारत के शीर्ष युगल टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने उन रिपोर्टों को गलत बताया है जिससे कहा गया है कि उनके जोड़ीदार श्रीराम बालाजी को मजबूत जोड़ीदार नहीं माना जा सकता है। बोपन्ना ने बालाजी की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह काफी अच्छा खिलाड़ी है और उनका लक्ष्य अपनी ओर से बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। बोपन्ना अपने इस अंतिम ओलंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं। बोपन्ना ने कहा कि बालाजी काफी आक्रामक खिलाड़ी हैं और बड़े मैचों का दबाव झेलने में सक्षम भी हैं। बोपन्ना को विश्व युगल रैंकिंग में टॉप 10 में होने के कारण अपनी पसंद का जोड़ीदार चयन करने का अवसर मिला था और उन्होने बालाजी का चुना जबकि सभी का उम्मीद थी कि वह अपने जोड़ीदार के लिए युकी भांबरी को रखेंगे। बोपन्ना ने कहा कि कोच से सलाह के बाद ही उन्होंने बालाजी के साथ जाने का फैसला किया और इसमें उन्हें कोई गलती नजर नहीं आती।

पदक जीतने कौशल निखारना होगा : सिंधु

नई दिल्ली। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु अब पेरिस ओलंपिक में पदक जीतकर तीन ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनने की उपलब्धि अपने नाम करना चाहती हैं। सिंधु ने इससे पहले रियो और टोक्यो में रजत और कांस्य पदक जीते थे। ऐसे में सिंधु इस बार स्वर्ण जीतना चाहेंगी। सिंधु ने कहा, ''यह चुनौतीपूर्ण है पर असंभव नहीं है।'' सिंधु का मानना है कि उन्हें ओलंपिक में तीसरा पदक जीतने के लिए उन्हें अपने कौशल को और निखारते हुए रणनीति बनानी होगी। उन्होंने कहा, ''तीसरे ओलंपिक में जाने से पहले मुझे और अधिक स्मार्ट होने की जरूरत है। मुझे अनुभव है पर इसके साथ ही स्मार्ट होना भी जरुरी है। मुझे उम्मीद है कि मैं अपने पदक का रंग बदल सकती हूं और निश्चित रूप से देश के लिए एक और पदक जीत सकती हूं।'' सिंधु अभी जर्मनी के सारब्रुकेन में हरमन–न्यूबर्गर स्पोर्ट्स्क्यूल में ट्रेनिंग कर रही हैं। वह 26 जुलाई को ओलंपिक शुरू होने से पहले सीधे पेरिस जायेंगी। सिंधु ने कहा, ''शारीरिक और मानसिक रूप से मैं फिट हूं, बस मुझे स्मार्ट होना है और मेरे कोच अगुस द्वी सैंटोसो इसपर काम कर रहे हैं। मैं सभी स्ट्रोक्स पर काम कर रही हूं, चाहे वो डिफेंस हो, या अटैक या नेटप्ले। सभी चीजों में पारंगत होना जरुरी है।'' उन्होंने कहा, '' मैं सिर्फ एक स्ट्रोक या तकनीक पर फोकस नहीं कर रही हूं क्योंकि आप नहीं जानते कि क्या होने वाला है, जीत के लिए सभी प्रकार से खेलना आना चाहिये।

'मैंने उन्हें कप को गले लगाते और रोते हुए देखा...': द्रविड़ के टी20 विश्व कप जीत के जश्न पर बोले अश्विन

चेन्नई (तमिलनाडु) (एजेंसी)। भारतीय स्पिन दिग्गज रविचंद्रन अश्विन ने खुलासा किया कि उन्होंने उस पल को वास्तव में महसूस किया जब पूर्व भारतीय मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने आईसीसी टी20 विश्व कप को गले लगाया और कोच के रूप में अपने अंतिम कार्य में 11 वर्षों में मेन इन ब्लू को उनकी पहली बड़ी ट्रॉफी दिलाने के बाद रोए।

भारत के साथ मुख्य कोच के रूप में द्रविड़ का कार्यकाल 29 जून को फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 7 रन से हराकर टी20 विश्व कप जीतने के साथ समाप्त हो गया। महान क्रिकेटर, जो एक खिलाड़ी और कप्तान के रूप में प्रमुख आईसीसी विश्व कप ट्रॉफी नहीं जीत सके, को आखिरकार कोच के रूप में भारत के साथ अंतिम अंतरराष्ट्रीय कार्य एक बड़ी सफलता साबित हुई। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर को उनके उत्तराधिकारी के रूप में घोषित किया गया, जो 27 जुलाई से श्रीलंका के व्हाइट-बॉल दौरे में अपने युग की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं।

अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए अश्विन ने कहा, 'मेरा पल वह था जब विराट कोहली ने राहुल द्रविड़ को बुलाया और कप दिया... मैंने उन्हें कप गले लगाते और रोते हुए देखा। राहुल द्रविड़ चिल्लाए और रोए। मैंने उन्हें इसका लुत्फ उठाते देखा। मैंने इसे बहुत महसूस किया।'

अश्विन ने द्रविड़ की सफलता की सराहना की, भले ही उन्हें एक खिलाड़ी और कोच के रूप में अपने करियर में आलोचनाओं और असफलताओं का सामना करना पड़ा हो, जैसे कि 2007 के 50 ओवर के विश्व कप के पहले दौर से बाहर होना। अश्विन ने कहा कि उन्हें पता था कि पिछले दो-तीन सालों से वह टीम के लिए कितना अच्छा कर रहे थे और उन्होंने टीम के दृष्टिकोण को बदल दिया है।

उन्होंने कहा, 'मैं एक ऐसे व्यक्ति के बारे में बात करना चाहता हूं जो पवित्र है। 2007, 50 ओवर का विश्व कप। भारत बाहर हो गया। उस समय कप्तान राहुल द्रविड़ थे। उसके बाद वह एकदिवसीय टीम की कप्तानी नहीं करते। वह भारतीय टीम के साथ रहे हैं। अगर कुछ ठीक नहीं होता है, अगर भारतीय टीम बाहर हो जाती है, अगर वे कोई मैच हार जाते हैं, तो तुरंत लोग पूछते हैं कि द्रविड़ क्या कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'मुझे पता है कि वह पिछले दो-तीन सालों से इस टीम के साथ क्या कर रहे हैं। मुझे पता है कि वह कितने संतुलित हैं। मुझे पता है कि उन्होंने इस दृष्टिकोण को बदलने के लिए कितनी मेहनत की है। मुझे पता है कि उन्होंने अपने प्रत्येक खिलाड़ी को क्या दिया है। यहां तक कि जब वह घर पर बैठे होते हैं, तब भी वह यह योजना बनाते रहते हैं कि यह कैसे करना है और वह कैसे करना है।'

एंडी मर्रे ने संन्यास की घोषणा की, पेरिस ओलंपिक के बाद कहेंगे अलविदा

पेरिस । दो बार ओलंपिक पुरूष एकल चैम्पियन एंडी मर्रे ने मंगलवार को पुष्टि की कि पेरिस ओलंपिक के बाद वह खेल से संन्यास लेंगे। सैतीस वर्ष के मर्रे ने एक्स पर पोस्ट किया, 'अपने आखिरी टेनिस टूर्नामेंट के लिये पेरिस पहुंच गया हूं।' पेरिस ओलंपिक में टेनिस स्पर्धा रोलां गैरो पर शनिवार से शुरू होंगी। मर्रे ने पहला स्वर्ण पदक 2012 लंदन ओलंपिक में ग्रासकोर्ट पर जीता था जिसमें उन्होंने रोजर फेडरर को तीन सेटों में हराया था। इसके बाद 2016 में रियो दि जिनेरियो में हार्डकोर्ट पर जुआन मार्टिन देल पोत्रो को हराकर खिताब जीता था। मर्रे ने 2019 में कूल्हे की प्रत्यारोपण सर्जरी कराई थी।

गुजरात विधानसभा की लोक हिसाब समिति का एक दिवसीय सूरत दौरा

लोक लेखा समिति ने सूरत के रुंध में बनने वाले एकता मॉल की साइट का दौरा किया

सूरत । गुजरात विधानसभा की लोक लेखा समिति ने आज रुंध, सूरत में आयुक्त श्री, कुटीर और ग्रामोद्योग द्वारा बनाए जा रहे च्पीएम एकता मॉलज् की साइट का दौरा किया और शुरू होने वाले मॉल के निर्माण कार्य के बारे में जानकारी प्राप्त की। आने वाले दिन. सूरत शहरी वेधशाला और आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र (एकीकृत कमांड और नियंत्रण केंद्र आईसीसीसी-वेसु) का भी दौरा किया और स्मैक सेंटर-कमांड सेंटर के दिन-प्रतिदिन के कार्यों का अवलोकन किया। सभी सदस्य सूरत के तीव्र विकास से प्रभावित हुए।

विधायक जीतूभाई वाघाणी की अध्यक्षता में समिति के सदस्य, विधायक सर्वश्री कांति अमृतिया, अरविंद राणा, नरेश पटेल, प्रवीण माली, विनेंद्रसिंह झाला, अमूल भट्ट, डॉ. हसमुख पटेल के साथ-साथ समिति सचिव चेतन पंड्या और समिति के पदाधिकारियों ने एक दिवसीय दौरा किया। सूरत के लिए.

आईसीसीसी में हुई बैठक में आयुक्त शालिनी अग्रवाल ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के जरिए सूरत शहर के विकास में योगदान देने वाले हीरा, कपड़ा, हजीरा उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, एमएसएमई जैसे उद्योगों का ब्यौरा दिया. नगर निगम अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र, स्वच्छ शहर, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के कदम, जैव विविधता पार्क, सड़क कनेक्टिविटी, थर्मल शुद्धिकरण, बाहरी रिंग रोड, मेट्रो, बीआरटीएस कॉरिडोर, प्रधानमंत्री आवास योजना और इस तरह की अन्य परियोजनाओं की रोचक जानकारी दी गई। भविष्य में आईटी, स्टार्ट अप, आभूषण निर्माण क्षेत्र, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, खेल क्षेत्र की विकास संभावनाओं के बारे में। कमिश्नर ने कमेटी को दी जानकारी।

समिति के अध्यक्ष व सदस्य सूरत रेलवे स्टेशन पहुंचे, जिला कलक्टर डॉ. भावभी का स्वागत सौरभ पारधी ने किया।

जिला कलक्टर डॉ. सौरभ पारघी की अध्यक्षता में बाल श्रम टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित की गयी

सूरत। सूरत जिला कलेक्टर डॉ. सौरभ पारघी की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय में बाल श्रम टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें जून माह के दौरान बाल श्रम उन्मूलन अभियान के तहत किये गये कार्यों की समीक्षा की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी से अनुरोध किया कि बाल श्रम से मुक्त कराये गये बाल श्रमिकों के पुनर्वास के लिए मिलकर कार्य करें तथा बाल श्रम के प्रति अधिक से अधिक जागरूकता पैदा करें। उन्होंने खतरनाक उद्योगों में काम करने वाले बाल श्रमिकों को बचाने पर जोर देते हुए बाल श्रम कराने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की सलाह दी ताकि बच्चों और युवाओं का भविष्य अंधकारमय न हो।

बैठक में जानकारी देते हुए सहायक श्रम आयुक्त एचएस गमीत ने बताया कि मई माह में टास्क फोर्स द्वारा होटल-रेस्तरां, फैक्ट्रियों में छापेमारी कर 9 बाल श्रमिकों व 14 युवा श्रमिकों को मुक्त कराया गया. जिनका पुनर्वास हो चुका है. चूंकि ये बच्चे बिहार, राज-स्थान, उत्तर प्रदेश के हैं, इसलिए अन्य राज्यों से उनके माता-पिता को सूरत बुलाया गया और बच्चों के साथ माता-पिता की काउंसलिंग की गई। भविष्य में बच्चा दोबारा बाल मजदूरी के दलदल में न फंसे इसके लिए समझाइश दी गई। बाल श्रम कराने वाले नियोक्ताओं के खिलाफ एफआरआई कार्रवाई की गई। इसके अलावा सहायक श्रमायुक्त ने बताया कि नियमन के 9 नोटिस दिये गये हैं।

जिला विकास अधिकारी श्रीमती शिवानी गोयल, उप जिला शिक्षा अधिकारी वजेसिंग वसावा, जिला समाज कल्याण अधिकारी मुकेश एन. गमीत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

सूरत भर के स्कूल कॉन्शियसस्लीप वेलस्पायर पार्टनरशिप के साथ निवारक छात्र मानसिक कल्याण क्रांति का नेतृत्व कर रहे हैं

सुरत भुमि, सूरत। स्कूलों में छात्रों के कल्याण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। कॉन्शियसलीप्स ने वेलस्पायर के साथ अपनी साझेदारी के माध्यम से एक पहल शुरू की है, जो छात्रों के बीच समग्र कल्याण को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक अभिनव कार्यक्रम है। स्कूलों में यह सहयोग शैक्षणिक दबाव से लेकर बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य चिंताओं तक कई चुनौतियों से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

निवारक मानसिक स्वास्थ्य के लिए वेलस्पायर का व्यापक दृष्टिकोण छात्रों को भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक रूप से आगे बढ़ने के लिए आवश्यक उपकरणों और संसाधनों के साथ सशक्त बनाने पर केंद्रित है। सूरत के स्कूलों में कार्यक्रम की बढ़ती लोकप्रियता के साथ, वेलस्पायर व्यापक दर्शकों तक पहुंच गया है, जिससे यह अधिक छात्रों तक पहुंचने और स्कूल समुदाय पर अधिक प्रभाव डालने में सक्षम हो गया है।

श्री स्वामीनारायण एचवी विद्यालय सूरत शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए वेलस्पायर का पायलट पार्टनर रहा है। एचवी स्वामीनारायण संकाय सदस्य ने कहा, "मैं इस वर्ष मुझे और मेरे छात्रों को जो अद्भुत अनुभव मिला है, उसे साझा करना चाहता हूं। बच्चों में अनुशासन, शिष्टाचार और अन्य महत्वपूर्ण जीवन कौशल जैसे कई गुण विकसित होते हैं। मैंने अपने छात्रों में कई सकारात्मक बदलाव देखे हैं।"

मिलेनियम स्कूल और पीपी सवानी कैंब्रिज इंटरनेशनल स्कूल वेलस्पायर स्टूडेंट वेलबीइंग प्रोग्राम के शुरुआती अंगीकार रहे हैं। इस साझेदारी के माध्यम से, सूरत के अग्रणी स्कूल शैक्षणिक प्रयासों से परे छात्रों के समर्थन के महत्व को पहचानते हुए, अपने छात्रों की भलाई को प्राथमिकता देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हैं।

वेलस्पायर शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लेने वाले मिलेनियम स्कूल के एक संकाय सदस्य ने कहा, "वेलस्पायर वेलनेस प्रोग्राम कार्यशाला ने हमें इस बारे में अमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की कि कैसे यह एकीकृत वेलनेस कार्यक्रम अकादमिक और जीवन दोनों में युवा दिमागों को महत्वपूर्ण लाभ पहुंचा सकता है, यह छात्रों की मदद करने वाला ज्ञानवर्धक था उनकी भलाई को प्राथमिकता दें और बेहतर समझ हासिल करें।"

एलपी सवाणी एकेडमी द्वारा 3 जून 2024 को एक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य वेलस्पायर कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए शिक्षकों को उपकरण और ज्ञान के साथ सशक्त बनाना है।

मेरा किरदार एक नई ऊर्जा लाता है और उसके काम करने का तरीका अनोखा है: सोनी सब के 'वंशज' से शालीन मल्होत्रा

सोनी सब का 'वंशज' अपनी अप्रत्याशित कहानी से दर्शकों को रोमांचित करता है, जो महाजन परिवार में सत्ता संघर्ष और जटिल रिश्तों की खोज करता है। नवीनतम ट्विस्ट में एक नया किरदार यश तलवार पेश किया गया है, जिसे शालीन मल्होत्रा ने निभाया है, जिसका प्रवेश शो में एक महत्वपूर्ण चरण का प्रतीक है। यश ताजा और जीवंत ऊर्जा लाता है, जो गिल्ड के साथ नए संघर्षों के लिए मंच तैयार करता है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, दर्शक नाटक, प्रतिद्वंद्विता और अप्रत्याशित मोड़ के मिश्रण के साथ यश और अन्य पात्रों के बीच एक दिलचस्प गतिशीलता देखने की उम्मीद कर सकते हैं।

यश की प्रविष्टि वंशज की कहानी में एक नए चरण का प्रतीक है। हमें अपने चरित्र और इस नए चरण के बारे में और बताएं।

यश का प्रवेश वंश में एक नए चरण का प्रतीक है। शुरुआत में कहानी पारिवारिक उत्तराधिकार पर केंद्रित थी, लेकिन अब इसमें गिल्ड और तलवार परिवार भी शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक की एक ऐतिहासिक विरासत है। यश अपने अनूठे, ऊर्जावान दृष्टिकोण और काम करने के अनोखे तरीकों से नई ऊर्जा लाते हैं। वह गिल्ड से नफरत करता है, लेकिन मौज-मस्ती करने वाला, सिद्धांतवादी है और अपने करीबी, सहयोगी परिवार को महत्व देता है। एक नए जमाने के व्यवसायी के रूप में, वह ऐसे व्यक्ति हैं जिनकी ओर लोग स्वाभाविक रूप से आकर्षित होते हैं।

आपको यश तलवार की भूमिका के प्रति किस चीज़ ने आकर्षित किया?

यश सहित मेरे द्वारा निभाया गया हर किरदार अनोखा है। वह कोई विशिष्ट सूट-अप शूट-द-बूट व्यवसायी नहीं है; लेकिन वह विनम्र है, काम पूरा करने में प्रतिभाशाली है। एक चतुर व्यवसायी होने के बावजूद, यश हमेशा पैसे के मामलों पर चर्चा नहीं करते हैं। यश का एक नरम पक्ष भी है जो वास्तव में मुझे आकर्षित करता है। वह अपने परिवार से बहुत प्यार करता है, खासकर अपनी माँ और बहन से, और उनकी सुरक्षा के लिए कुछ भी करेगा।

वंशज की बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है। क्या आप किसी नए किरदार को निभाने का कोई दबाव महसूस करते हैं?

हां, डिसेंडेंट की बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है लेकिन एक अभिनेता के रूप में मुझ पर इसका कोई दबाव नहीं है। मुझे लगता है कि शो की सफलता एक बोनस है क्योंकि लोग पहले से ही इस शो को पसंद करते हैं। मुझे यकीन है कि दर्शकों और डिसेंडेंट्स के वफादार प्रशंसक आधार को अंतत: तलवार परिवार से भी प्यार हो जाएगा।

आप शो में यश और युविका के बीच की गतिशीलता का वर्णन कैसे करेंगे? यश और युविका के बीच संबंध विकसित होते रहेंगे और धीरे-धीरे परतें खुलती जाएंगी। युविका और महाजन परिवार के बाकी सदस्यों के साथ पेशेवर और व्यक्तिगत प्रतिद्वंद्विता का मिश्रण होगा, क्योंकि यश पहले से ही उनके प्रति द्वेष रखता है। दर्शकों को यह देखने के लिए शो देखना होगा कि उनकी कहानी कैसे विकसित होती है।

स्मीमेर के डॉक्टर ने तीसरी मंजिल से गिरी 7 साल की बेटी की खोपड़ी के फ्रेक्चर का ऑपरेशन कर जीवनदान दिया

सूरत। सूरत के वराछा इलाके में रहने वाले एक नेपाली मजदूर परिवार की 7 साल की बेटी मीशिया तीसरी मंजिल से गिर गई और उसके सिर में गंभीर चोट लग गई.

लेकिन लड़की के दो महीने के गहन और धैर्यपूर्ण इलाज के बाद, जिसमें खोपड़ी की हड्डी के फ्रेक्चर के दो ऑपरेशन किए गए, स्मीमेर के डॉक्टरों ने लड़की को जीवनदान दिया।

स्मीमेर अस्पताल के न्यूरोसर्जन डॉ. दीपेश कक्कड़ ने बताया कि 24 मई को खेलते समय दुर्घटना के कारण तीसरी मंजिल से नीचे गिरी बच्ची के सिर में गंभीर चोट लगने पर परिजन उसे तुरंत सूरत मनपा लाए- इलाज के लिए 108 एम्बुलेंस में स्मीमेर हॉस्पिटल चलाएं। ड्यूटी पर मौजूद रेजिडेंट डॉ. राज वैद्य ने समीक्षक की प्रारंभिक जांच के दौरान खोपड़ी में फ्रेक्चर का निदान किया, जो गंभीर हालत में बिस्तर पर लेटा हुआ था और बेहोश था।

चोट लगने से दिमाग का कुछ हिस्सा भी बाहर आ गया. आपातकालीन स्थिति में सीटी स्कैन रिपोर्ट में खोपड़ी में फ्रेक्चर के साथ-साथ मस्तिष्क में हल्का रक्तस्राव और मस्तिष्क में सूजन दिखाई दी। डॉ. दीपेश ने बताया कि तत्काल रक्तस्राव और टूटे हुए हिस्से का ऑपरेशन किया गया।

उन्होंने आगे कहा कि मस्तिष्क में सूजन और खोपड़ी के फ्रेक्चर के कारण मस्तिष्क के क्षतिग्रस्त हिस्से को च्फ्रंटल लोबेक्टोमीज् नामक सर्जरी के माध्यम से हटा दिया गया और लड़की को वेंटिलेटर पर आईसीयू में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां तीन दिन की रिकवरी के बाद उसने सांस लेना शुरू कर दिया. अपने दम पर और अपने अंगों को हिलाना। स्मीमेर के डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ आठ से दस दिन में उसे इलाज के लिए जनरल वार्ड में लाने में सफल रहे।

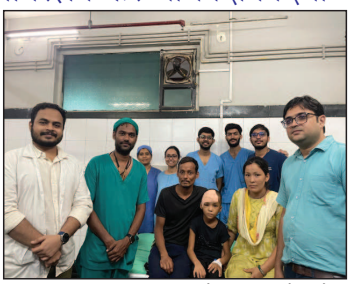

डॉ. कक्कड़ ने कहा कि पहले ऑपरेशन के डेढ़ महीने बाद, मरीज को मस्तिष्क संक्रमण के साथ-साथ मस्तिष्क बुखार (मेनिनजाइटिस) के कारण आईसीयू में फिर से भर्ती कराया गया था। पहले ऑपरेशन के डेढ़ महीने बाद, खोपड़ी की टूटी हुई हड्डी को मस्तिष्क से जोड़ने के लिए क्रैनियोप्लास्टी सर्जरी की गई। पांच दिनों तक निगरानी में इलाज के बाद पूरी तरह ठीक होने के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

नए बजट पर लोगों की राय जानें.....

सुरत भुमि, सूरत। सरकार ने बजट में नौकरी पेशा, किसान, स्टूडेण्ट, महिलाओं सभी का ध्यान रखा है। रोज़गार, युवाओं को इंटर्नशिप, इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग आदि को बढ़ावा देकर विकसित भारत बनने की तरफ़ कदम बढ़ाया है। एक तरह का संतुलित बजट है। एमएसएमई में बदलाव नहीं किया जिससे कपड़ा बाज़ार को निराशा हुई है।

कपीश खाटूवाला
व्यापारी

सुरत भुमि, सूरत। बजट बहुत ही दूरगामी प्रभाव वाला है, इसमें पॉलिसी लेवल पर काफ़ी बदलाव किये गये है, जिससे की आने वाले समय में ये भारत की अर्थव्यवस्था को एक नई दिशा और ऊँचाई पर ले जायेगा।

संजय सरावगी
उधमी × डायरेक्टर
लक्ष्मीपति ग्रुप

शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड ने वित्त-वर्ष 25 की पहली तिमाही के वित्तीय परिणामों तथा कारोबार में कंपनी के प्रदर्शन की घोषणा की

पीथमपुर, मध्य प्रदेश । देश में सोलर स्टेनलेस स्टील सबमर्सिबल पंप, प्रेशर बूस्टर पंप, पंप-मोटर्स, कंट्रोलर्स और इनवर्टर के साथ-साथ अन्य उत्पादों का निर्माण करने वाली अग्रणी कंपनी, शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड (SPIL) ने आज 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणाम घोषित किए।

शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के अध्यक्ष, श्री दिनेश पाटीदार ने हाल के दिनों में कंपनी के प्रदर्शन पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, "हमें वित्त-वर्ष 2025 की शानदार शुरुआत के बारे में जानकारी देते हुए बेहद खुशी हो रही है, और पहली तिमाही के दौरान हमने राजस्व में शानदार बढ़ोतरी के साथ-साथ मुनाफे में वृद्धि का प्रदर्शन किया है। यह सराहनीय प्रदर्शन सही मायने में घरेलू और निर्यात, दोनों बाजारों में मौजूदा ऑर्डर को तुरंत पूरा करने की वजह से संभव हो पाया है। इसके अलावा, कच्चे माल की कीमतों में गिरावट के साथ-साथ तिमाही के दौरान बेहतर क्रियान्वयन तथा बड़े पैमाने की किफायतों के कारण मार्जिन में सुधार हुआ है।

हमने 30 जून, 2024 तक लगभग 2,000 करोड़ रुपये की शानदार ऑर्डर बुक को बनाए रखा है, जिसके अगले 15 महीनों में पूरा होने की उम्मीद है। हमें आने वाली तिमाहियों में अलग-अलग राज्यों से मिलने वाले संभावित ऑर्डर से भी काफी उम्मीदें हैं, और हमें पूरा यकीन है कि यह हमारी प्रगति की राह में बेहद महत्वपूर्ण योगदान देगा। इसके अलावा, विभिन्न राज्य सरकारों तथा बिजली बोर्डों द्वारा किसानों के लिए सोलर पंप लगाने के फायदों को स्वीकार किए जाने से हमें राज्य सरकारों से ज़्यादा ऑर्डर मिलने की उम्मीद है, जिससे विकास की हमारी क्षमता को और मजबूती मिलेगी।

निष्कर्ष के तौर पर कह सकते हैं कि, हमारी बड़ी ऑर्डर बुक तथा हमारी तकनीकी विशेषज्ञता साथ मिलकर लगातार विकास और सफलता के आधार को मजबूत बनाती है। हमें मौजूदा ऑर्डरों को कुशल तरीके से पूरा करने की अपनी क्षमताओं पर भरोसा है। इसके अलावा, हम औद्योगिक और घरेलू खुदरा कारोबार सहित दूसरे क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान दे रहे हैं। इसी वजह से हम भविष्य में कंपनी के लिए अनुकूल नतीजे हासिल करने की स्थिति में हैं।"

वित्तीय प्रदर्शन की मुख्य बातें:

वित्त-वर्ष 25 की पहली तिमाही

वित्त-वर्ष 24 की पहली तिमाही में 113.1 करोड़ रुपये की तुलना में वित्त-वर्ष 25 की पहली तिमाही में राजस्व बढ़कर 567.6 करोड़ रुपये हो गया

वित्त-वर्ष 24 की पहली तिमाही में 7.9 करोड़ रुपये की तुलना में वित्त-वर्ष 25 की पहली तिमाही में EBITDA बढ़कर 135.9 करोड़ रुपये हो गया। वित्त-वर्ष 25 की पहली तिमाही में EBITDA मार्जिन 23.9% दर्ज किया गया, जबकि वित्त-वर्ष 24 की पहली तिमाही में यह 7.0% था, जो बड़े पैमाने की किफायतों और क्रियान्वयन की उच्च दर की वजह से संभव हो पाया।

वित्त-वर्ष 24 की पहली तिमाही में 1.0 करोड़ रुपये की तुलना में वित्त-वर्ष 25 की पहली तिमाही में PAT बढ़कर 92.6 करोड़ रुपये हो गया। वित्त-वर्ष 25 की पहली तिमाही में PAT मार्जिन बढ़कर 16.3% हो गया, जो वित्त-वर्ष 24 की पहली तिमाही में 0.9% था।

कारोबार संबंधी अन्य मुख्य बातें:

SPIL ने टेक्नोलॉजी में अपनी बढ़त को बनाए रखा है, जिसके लिए कंपनी को भारत सरकार से एक और पेटेंट प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही, SPIL को कुल मिलाकर 14 पेटेंट हासिल हुए हैं, जबकि अब तक कुल 29 पेटेंट के लिए आवेदन किया गया है।

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च की ओर से कंपनी की दीर्घकालिक क्रेडिट रेटिंग को IND A+/ स्टेबल में अपग्रेड किया गया, जबकि एक बार फिर से IND A1 की अल्पकालिक रेटिंग की पुष्टि की गई।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)